तापमान

अधिकतम-26⁰C

न्यूनतम-18⁰C

प्रयाग दर्पण

प्रयागराज से प्रकाशित व सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश में प्रसारित

सरकार के पास विजन नहीं, पैसा होने के बाद भी काम नहीं: अखिलेश 3

बीएचयू में दीक्षांत समारोह के नियम को लेकर विरोध, लहराए पोस्टर 4

वर्ष : 09 अंक : 237 प्रयागराज, शनिवार 02 दिसम्बर 2023 www.prayagdarpanlive.com हिन्दी दैनिक पृष्ठ : 4 मूल्य: 3 रूपये

सीमाएं सुरक्षित नहीं होने पर कोई भी देश समृद्ध नहीं हो सकता, बीएसएफ के 59वें स्थापना दिवस पर बोले अमित शाह

हजारीबाग। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के 59वें स्थापना दिवस के अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को देश के विकास में सीमा सुरक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। अमित शाह ने कहा कि, अगर किसी देश की सीमाएं सुरक्षित नहीं हैं तो वह कभी भी विकसित और समृद्ध नहीं हो सकता। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार ने देश को चंद्रमा पर पहुंचाया है, जी20 सम्मेलन के साथ पूरे विश्व में देश की ध्वजा फहराई है और अर्थव्यवस्था को 11वें स्थान से दुनिया में पांचवें स्थान पर पहुंचाया है। यह सब सीमाओं की सुरक्षा में तैनात हमारे बीएसएफ जैसे बलों के कारण संभव हो पाया। अमित शाह ने कहा, बीएसएफ के 59वें स्थापना दिवस पर मैं बीएसएफ के सभी जवानों और उनके परिवारों को शुभकामनाएं देता हूं... पूरे देश को हमारे जवानों पर गर्व है। गृह मंत्री ने कहा कि नरेन्द्र मोदी सरकार ने केंद्र की सत्ता में आने के बाद से पिछले नौ वर्षों में भारत-पाकिस्तान और भारत-बांग्लादेश सीमाओं के लगभग 560 किलोमीटर हिस्से में बाड़ लगाई है और अंतरालों को पाट दिया है। उन्होंने कहा कि भारत के पश्चिमी और पूर्वी मोर्चे पर इन दोनों सीमाओं पर केवल 60 किलोमीटर क्षेत्र में 'कुछ छोटे-छोटे हिस्से ही बचे हैं जिन्हें पाटा जा रहा है। शाह ने कहा कि अगले दो साल में हम इन दोनों सीमाओं को पूरी तरह सुरक्षित बना लेंगे। भारत-पाकिस्तान की 2,290 किलोमीटर लंबी सीमा और भारत-बांग्लादेश की 4,096 किलोमीटर लंबी सीमा पर जलीय, पर्वतीय और दलदली इलाके हैं और यहां बाड़ लगाना बहुत मुश्किल काम है। ऐसे में बीएसएफ और अन्य एजेंसियां घुसपैठ रोकने के लिए तकनीकी उपकरणों का इस्तेमाल करती है। उन्होंने यहां 'मेरू प्रशिक्षण शिविर में बीएसएफकर्मियों को संबोधित करते हुए कहा, ''आप, बीएसएफ इस यात्रा के आवश्यक स्तंभ हैं। शाह ने कहा, ''मैं ऐसे मुगालते नहीं पालता कि सीमा पर अकेले बाड़ देश की रक्षा कर सकती है, यह तो केवल मदद करती है। बीएसएफ के हमारे बहादुर जवान देश की सुरक्षा करते हैं। बीएसएफकी स्थापना एक दिसंबर, 1965 को की गई थी। गृह मंत्री ने कहा कि जब भी देश में भाजपा की किसी सरकार ने सत्ता संभाली है, सीमा सुरक्षा को प्राथमिकता दी गई, चाहे पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार हो या मोदी सरकार।उन्होंने कहा, ''अटल जी की सरकार ने सीमा पर एक ही बल के तैनात रहने की योजना लाई थी तो मोदी सरकार ने सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले स्थानीय लोगों के लिए कल्याणकारी योजनाओं की शुरुआत की और मजबूत बुनियादी ढांचे के साथ सुरक्षा, विकास और लोकतांत्रिक प्रक्रिया को जोड़ा। शाह ने कहा, ''हमने भूमि व्यापार के अलावा रेल, सड़क, जलमार्ग संपर्क और टेलीफोन संचार को मजबूत किया। उन्होंने कहा कि देश माओवादियों द्वारा चलाये जा रहे सशस्त्र और हिंसक अभियान को समाप्त करने के करीब है। शाह ने कहा कि पिछले दस साल में नक्सली हिंसा की घटनाएं 52 प्रतिशत तक कम हुई हैं, इन घटनाओं में मृत्यु के मामलों में 70 प्रतिशत की गिरावट आई है और प्रभावित थानों की संख्या भी 495 से घटकर 176 रह गई है। उन्होंने कहा, ''बीएसएफ, सीआरपीएफ और आईटीबीपी जैसे बलों द्वारा वामपंथी उग्रवाद के खिलाफ अंतिम हमले की प्रक्रिया चल रही है। हम देश में नक्सलवाद को समाप्त करने के लिए संकल्पित हैं। मंत्री ने कहा कि पिछले दस साल में वामपंथी

बीएसएफके 59वें स्थापना दिवस पर पीएम मोदी ने किया ट्वीट, लिखा, हमारे राष्ट्र की रक्षा में उनकी वीरता समर्पण का प्रमाण है

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के 59वें स्थापना दिवस पर शुक्रवार को इस उत्कृष्ट बल की सराहना की और कहा कि राष्ट्र की रक्षा के लिए उनकी वीरता और अटूट भावना उनके समर्पण का प्रमाण है। मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, बीएसएफ के स्थापना दिवस पर हम इस उत्कृष्ट बल की सराहना करते हैं, जिसने हमारी सीमाओं के संरक्षक के रूप में अपनी पहचान बनाई है। हमारे राष्ट्र की रक्षा में उनकी वीरता और अटूट भावना उनके समर्पण का प्रमाण है।मैं प्राकृतिक आपदाओं के मद्देनजर बचाव और राहत कार्य के दौरान बीएसएफ की भूमिका की भी सराहना करना चाहूंगा। बीएसएफ की स्थापना वर्ष 1965 में भारत की सीमाओं की रक्षा और अन्तरराष्ट्रीय अपराध को रोकने के लिए की गई थी। बीएसएफ केंद्र सरकार के गृह मंत्रालय के अंतर्गत आता है। बांग्लादेश की आजादी में 'सीमा सुरक्षा बल की अहम भूमिका अविस्मरणीय है।

नौसैनिक हवाईअड्डे पर राहुल गांधी के विमान को नहीं मिली लैंडिंग की अनुमति, रक्षा मंत्रालय पर भड़की कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि रक्षा मंत्रालय ने उस विमान को वहां नौसैनिक हवाई अड्डे पर उतरने की अनुमति देने से इनकार कर दिया जिसमें पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी सवार थे। एर्नाकुलम के जिला कांग्रेस कमेटी (डीसीसी) के अध्यक्ष मोहम्मद शियास ने आरोप लगाया कि शुरू में नौसैनिक हवाई अड्डे पर विमान को उतारने की अनुमति दी गई थी, लेकिन बाद में यह अनुमति वापस ले ली गई। शियास ने बताया कि कन्नूर से राहुल गांधी को लेकर आ रहे विमान को पास के नेदुंबस्सेरी में कोचीन अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा लिमिटेड (सीआईएएल) की ओर मोड़ दिया गया। एक आधिकारिक सूत्र ने बताया कि नौसैनिक स्टेशन पर निजी जेट विमानों को उतारे जाने की अनुमति देने का निर्णय रक्षा मंत्रालय द्वारा किया गया था। हालांकि, उन्होंने इस विषय में विस्तार से जानकारी नहीं दी। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी केरल के दौरे पर हैं और शुक्रवार को कोच्चि में उनके दो कार्यक्रम निर्धारित हैं। वहीं, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने दिल्ली के अपने राजनीतिक विरोधियों पर कटाक्ष किया। कांग्रेस नेता ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में नेतृत्व सभी लाउडस्पीकर और कैमरों को अपनी दिशा में मोड़ना पसंद करते हैं, लेकिन वह माइक का मुंह जनता की ओर मोड़ना पसंद करते हैं। राहुल गांधी ने कहा, यह (लाउडस्पीकर) भीड़ की तरफ नहीं होता क्योंकि हम खुद को बोलते हुए सुनना पसंद करते हैं। हर बार जब मैं वहां जाता हूं, तो मैं लाउडस्पीकर को दूसरी तरफ मोड़ देता हूं। मुझे लगता है, आज के भारत में, यह बहुत महत्वपूर्ण है कि लाउडस्पीकर का मुंह दूसरी ओर किया जाए।

पीयूष गोयल ने कॉरपोरेट्स से निवेश बढ़ाने का किया आग्रह

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कॉरपोरेट्स से भारत में निवेश बढ़ाने का आग्रह किया, क्योंकि बुनियादी ढांचे के बड़े पैमाने पर विकास से देश की अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ रही है। तीसरे भारत ऋण पूंजी बाजार शिखर सम्मेलन 2023- के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए, गोयल ने कहा वित्तपोषण का प्रतिस्पर्धी स्रोत उन लोगों से निवेश आकर्षित कर रहा है जो अधिक सुरक्षा की तलाश में हैं। शेयर बाजार भी पहली बार 4 ट्रिलियन का आंकड़ा छू रहा है और भारत बड़े अवसरों वाले शीर्ष पांच वैश्विक बाजारों में से एक है। उन्होंने कहा कि भारत की बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में सरकारी और निजी क्षेत्र दोनों का भारी निवेश देश की अर्थव्यवस्था को सशक्त बना रहा है और इसे गति दे रहा है। गोयल ने कॉरपोरेट जगत से भारत में निवेश करने का आग्रह किया, क्योंकि देश दुनिया के एक विश्वसनीय भागीदार और एक जीवंत लोकतंत्र के रूप में बहुत उज्ज्वल भविष्य के शिखर पर खड़ा है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, भारत आज एक अच्छी स्थिति में है जहां वह आश्वस्त हो सकता है कि आने वाले कई वर्षों तक उसे उस तरह का संकट नहीं होगा जैसा 2013 में देखा गया था। उन्होंने बताया कि भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और इस तिमाही में 7.6 प्रतिशत की दर से सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है।गोयल ने कहा कि एक लचीला ऋण पूंजी बाजार नवाचार, उद्यमिता और बुनियादी ढांचे के विकास के लिए उत्प्रेरक होगा। उन्होंने कहा कि अगले कुछ दशकों में बड़े पैमाने पर शहरीकरण होगा क्योंकि टियर 2 शहर भी महानगर बनने जा रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों की आय बढ़ रही है, इससे देश भर में खर्च करने की शक्ति बढ़ रही है।एआई, सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रिक वाहन जैसे भविष्य के क्षेत्र हमारे भविष्य को शक्ति प्रदान करेंगे। हरित और टिकाऊ ऊर्जा ही आगे का रास्ता होगी और पूंजी बाजार और ऋण बाजार हमारी ऊर्जा को निम्न कार्बन अर्थव्यवस्था में बदलने में अपनी भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत 2047 तक हमारे 3.7 ट्रिलियन डॉलर में 30 ट्रिलियन डॉलर जोड़ देगा।मंत्री ने यह भी देखा कि भारत वस्तुओं और सेवाओं के निर्यात को 2021 में 500 बिलियन से पिछले वर्ष 776 बिलियन तक, लगभग 55 प्रतिशत तक बढ़ाने में सक्षम रहा है।

खबरें एक नजर में

ओडिशा: हाईवे पर खड़े ट्रक से टकराने से 8 लोगों की मौत, कई घायल

क्योंझर। ओडिशा के क्योंझर जिले में शुक्रवार को तड़के एक वाहन के, सड़क के किनारे खड़े एक ट्रक से टकरा जाने से तीन महिलाओं और एक बच्चे समेत कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई तथा कई अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि दुर्घटना घाटागांव इलाके में बालीजोडी गांव के पास राष्ट्रीय राजमार्ग-20 पर उस वक्त हुई जब वाहन में सवार लोग एक मंदिर के दर्शन के लिए जा रहे थे। उन्होंने बताया कि सात लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य ने अस्पताल में दम तोड़ा। अधिकारी ने बताया कि घायलों में से पांच लोगों का इलाज क्योंझर जिला मुख्यालय अस्पताल में चल रहा है, जबकि तीन अन्य की हालत बिगड़ने पर उन्हें कटक के एससीबी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया है। पुलिस ने बताया कि गंजम जिले के पुडामारी गांव से कुल 20 लोग त्रारिणी देवी के दर्शन के लिए मंदिर जा रहे थे। मंदिर से तीन किलोमीटर की दूरी पर यह दुर्घटना हुई। पुलिस को संदेह है कि वाहन चालक को झपकी आने के कारण यह हादसा हुआ। घटना की जांच की जा रही है।

जम्मू कश्मीर में मुठभेड़ शुरू, एक आतंकवादी मारा गया

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर के पुलवामा जिले में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में एक आतंकवादी मारा गया। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा बलों ने बृहस्पतिवार को जिले के अरिहाल इलाके में न्यू कॉलोनी में आतंकवादियों के खिलाफ अभियान प्रारंभ किया जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई। अधिकारियों ने बताया कि मुठभेड़ में एक आतंकवादी मारा गया। उन्होंने बताया कि अभी यह पता नहीं चल पाया है कि मारा गया आतंकवादी किस संगठन से जुड़ा था।

हथियारों से लैस नकाबपोश लुटेरों ने बैंक पर बोला धावा, दिनदहाड़े लूट लिए 18 करोड़ रुपए

इंफाल। मणिपुर के उखरुल जिले में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक की एक शाखा से नकाबपोश हथियारबंद लुटेरों ने 18.80 करोड़ रुपए नकद लूट लिए। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पंजाब नेशनल बैंक की यह शाखा उखरुल जिले के लिए श्करेंसी चेस्टश् है, जहां भारतीय रिजर्व बैंक की ओर से बैंकों और एटीएम के लिए नकदी का भंडारण किया जाता है। अधिकारियों ने बताया कि बृहस्पतिवार की शाम इंफाल से लगभग 80 किलोमीटर दूर उखरुल शहर में अत्याधुनिक हथियारों से लैस लुटेरे बैंक पहुंचे। उन्होंने सुरक्षाकर्मियों को अपने कब्जे में लिया और बैंक के कर्मचारियों को धमका कर तिजोरी से रकम लूट ली। उन्होंने बताया कि कुछ लुटेरे वर्दी में थे। उन्होंने कर्मचारियों और सुरक्षाकर्मियों को बैंक के शौचालय के अंदर बंद कर दिया। अधिकारियों ने बताया कि वरिष्ठ कर्मचारियों में से एक को बंदूक दिखा कर तिजोरी खोलने के लिए कहा गया, जिसके बाद लुटेरों ने रकम लूटी। घटना की शिकायत उखरूल पुलिस थाने में दर्ज करवाई गई है। पुलिस ने अपराधियों की पहचान के लिए सीसीटीवी फुटेज की जांच शुरू कर दी है।

अटल डुल्लू ने जम्मू-कश्मीर के मुख्य सचिव का पदभार संभाला

श्रीनगर। भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के 1989 बैच के अधिकारी अटल डुल्लू ने शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर के मुख्य सचिव का पदभार संभाल लिया। उन्होंने ए.के. मेहता की जगह ली है जो गुरुवार को सेवानिवृत्त हो गए थे। नियुक्तियों जुड़ी कैबिनेट की समिति ने डुल्लू को समय से पहले एजीएमयूटी कैडर में वापस भेज दिया। इसके बाद केंद्रीय गृह मंत्रालय ने उन्हें जम्मू-कश्मीर का मुख्य सचिव नियुक्त किया। डुल्लू शुक्रवार को यहां पहुंचे और सिविल सचिवालय में अधिकारियों और अन्य कर्मचारियों ने उनका स्वागत किया, जहां उन्होंने मुख्य सचिव का पदभार संभाला। वह केंद्र शासित प्रदेश के ही निवासी हैं और जम्मू-कश्मीर के मुख्य सचिव बनने वाले तीसरे कश्मीरी पंडित हैं। उनसे पहले, पुष्कर नाथ कौल और विजय बकाया कश्मीर पंडित समुदाय के अन्य दो सदस्य थे जिन्होंने यहां मुख्य सचिव के रूप में कार्य किया था। डुल्लू नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एनआईटी), श्रीनगर से इंजीनियरिंग स्नातक हैं।

शरद पवार के राजनीतिक करियर को खत्म करने के लिए अजित को बीजेपी से मिली सुपारी, अनिल देशमुख का आरोप

मुंबई। महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख ने कहा है कि उप मुख्यमंत्री अजित पवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के संस्थापक शरद पवार का राजनीतिक कॅरियर समाप्त करने की 'सुपारी दे दी है। राकांपा के शरद पवार नीत खेमे से जुड़े देशमुख बृहस्पतिवार को वर्धा में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।जुलाई में अजित पवार और राकांपा के आठ अन्य विधायक एकनाथ शिंदे नीत भाजपा-शिवसेना सरकार में शामिल हो गए थे और राकांपा में विभाजन हो गया था। देशमुख ने कहा कि पूरा महाराष्ट्र और भारत जानता है कि भोपाल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भाषण के बाद अजित पवार और उनके साथ पार्टी छोड़कर आए लोग जल्दबाजी में सरकार में शामिल हो गए थे। राकांपा में विभाजन से पहले मोदी ने पार्टी पर 70,000 करोड़ रुपये के भ्रष्टाचार में लिप्त रहने का आरोप लगाया था। देशमुख ने कथित भ्रष्टाचार के एक मामले में अपनी गिरफ्तारी का उल्लेख करते हुए कहा, ''क्या आप जानते हैं कि उन्होंने (अजित पवार ने) अलग रास्ता क्यों अपनाया? वरिष्ठ राकांपा नेता वो परेशानी नहीं झेलना चाहते थे जो मैंने सही।अजित पवार के समर्थक उन्हें महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री पद पर देखना चाहते हैं, इस बारे में पूछे जाने पर देशमुख ने कहा कि राज्य में सत्तारूढ़ सहयोगी दलों में क्या फैसला हुआ है, उन्हें इसकी जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा, ''हालांकि, उन्हें (अजित पवार को) सरकार में भाजपा के निर्णय लेने की प्रक्रिया से अलग-थलग रखा जा रहा है।

पश्चिम बंगाल में बीजेपी के 11 विधायकों पर एफआईआर दर्ज, राष्ट्रगान के अपमान का लगा आरोप

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के 11 विधायकों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। बीजेपी द्वारा विधानसभा परिसर में दिए गए धरने के दौरान राष्ट्रगान का अपमान करने के आरोप में यह एफआईआर दर्ज की गई है। संसदीय मामलों के मंत्री शोभनदेव चटर्जी ने कहा कि ये शिकायतें तृणमूल कांग्रेस विधायक दल की ओर से दर्ज कराई गई हैं। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की अध्यक्ष और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व में पार्टी के विधायक 29 नवंबर को राज्य के प्रति केंद्र के ''भेदभावपूर्ण रवैये के खिलाफ प्रदर्शन बंद करने से पहले, बी आर आंबेडकर की प्रतिमा के नीचे राष्ट्रगान गा रहे थे। राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी ने राष्ट्रगान के दौरान भाजपा विधायकों पर राज्य सरकार के खिलाफ नारे लगाने तथा घंटियां बजाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रगान बमुश्किल 50 मीटर की दूरी पर गाया जा रहा था। भाजपा ने कहा कि भले ही टीएमसी विधायकों द्वारा राष्ट्रगान गाया गया हो, लेकिन उनकी आवाज बहुत धीमी थी, जो उनके विरोध स्थल से सुनाई नहीं पड़ रही थी। भाजपा ने आरोप लगाया कि टीएमसी उसके विधायकों को मनगढंत आरोपों में फंसाने की कोशिश कर रही है। वरिष्ठ मंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य ने कहा, ''भाजपा ने राष्ट्रगान के प्रति सम्मान नहीं दिखाया और उचित कार्रवाई शुरू की जा रही है। विधानसभा अध्यक्ष बिमान बंद्योपाध्याय ने भी कहा कि उनके खिलाफ उचित कदम उठाए जाएंगे। विधानसभा सचिवालय के एक सूत्र ने कहा कि हेयर स्ट्रीट पुलिस थाने ने इस संबंध में 11 भाजपा विधायकों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। सूत्र ने कहा कि कथित घटना का वीडियो फुटेज पुलिस को सौंप दिया गया है। भाजपा के वरिष्ठ नेता और सिलीगुड़ी के विधायक शंकर घोष ने कहा कि उन्हें इस बात का एहसास नहीं था कि राष्ट्रगान गाया जा रहा है। उन्होंने कहा, ''टीएमसी की तानाशाही और भ्रष्टाचार के खिलाफ हमारा विरोध जारी था और हम आंबेडकर की प्रतिमा से थोड़ी ही दूरी पर थे। अगर राष्ट्रगान गाया भी गया तो यह बहुत ही धीमी आवाज में गाया जा रहा था। क्यों? क्या वे राष्ट्रगान के बोल भूल गए थे? हमें टीएमसी से देशभक्ति सीखने की जरूरत नहीं है।

बिहार में अवैध मदरसों को बंद कराए नीतीश सरकार, भाजपा नेता गिरिराज सिंह ने की बड़ी मांग

पटना। भाजपा के फायर ब्रांड नेता और गिरिराज सिंह ने एक बार फिर से मदरसे पर बयान दिया है। उन्होंने नीतीश सरकार से मांग की है कि अवैध मदरसों पर रोक लगाएं। उन्होंने कहा कि अवैध मदरसों की बाढ़ आ गई है। सीमांचल की हालत देखकर लगता है कि न धर्म बचेगा-न धन। बिहार में लगभग 3000 मदरसे हैं, उन सभी की जांच होनी चाहिए और धार्मिक ब्रेनवॉश की जगह प्रगतिशील शिक्षा दी जानी चाहिए। गिरिराज सिंह ने कहा कि बिहार में 18 फीसदी मुसलमानों की आबादी है, इसलिए अवैध मदरसों को बंद करवाएं। उन्होंने कहा कि सीमावर्ती क्षेत्रों में हालात और ज्यादा खराब हो गए हैं। इन इलाकों मे पॉपुलर फ्रंड ऑफइंडिया भी सक्रिय है। गिरिराज ने महागठबंधन सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि लालू यादव और नीतीश कुमार को तुष्टिकरण की राजनीति बंद करके अब बिहार और देश के लिए खतरे बनने वालों पर भी विचार करना चाहिए।

यह कोई मजाक नहीं...बेंगलुरु में कई स्कूलों को बम से निशाना बनाने की धमकी मिली, पूरे शहर में मची सनसनी

बेंगलुरु। बेंगलुरु स्थित कम से कम 15 निजी विद्यालयों को शुक्रवार को सुबह एक ई-मेल मिला जिसमें विद्यालय परिसरों में बम होने का दावा किया गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। यह ई-मेल मिलने के बाद स्कूल के कर्मचारी और छात्रों के अभिभावक बेहद घबरा गए। पुलिस ने बताया कि स्कूल प्राधिकारियों ने पुलिस को तत्काल इसकी जानकारी दी जिसके बाद वह बम निरोधक दस्ते और तोड़फोड़ रोधी जांच दल के साथ संबंधित संस्थानों में पहुंची।उसने बताया कि छात्रों और कर्मचारियों को स्कूल परिसरों से तुरंत बाहर निकाल लिया गया और अभी तक कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है। छात्रों के माता-पिता को घटना के बारे में जैसे ही पता चला, वे बेहद घबरा गए और अपने बच्चों को सुरक्षित घर वापस लाने के लिए स्कूल भागे। स्कूल को आए ईमेल में लिखा है, आपके स्कूल में एक बहुत शक्तिशाली बम लगाया गया है। ध्यान दें, यह कोई मजाक नहीं है। तुरंत पुलिस को बुलाओ। सैकड़ों लोगों की जान जा सकती है। देर मत करो। अब सब कुछ तुम्हारे हाथ में है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, ''ईमेल में दावा किया गया है कि स्कूल परिसरों में विस्फोटक रखे गए हैं। हमें कमान केंद्र से एक फोन कॉल आया और हमने अपने दलों को शहर के विभिन्न हिस्सों में स्थित विद्यालयों में भेजा। स्कूल परिसरों से सभी छात्रों और कर्मचारियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है और गहन तलाशी अभियान चलाया जा रहा है।''उन्होंने कहा कि अभी तक कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है और प्रथम दृष्टया ऐसा लग रहा है कि यह एक फर्जी संदेश है। उन्होंने कहा कि अभिभावकों को घबराने की जरूरत नहीं है और पुलिस दल मौके पर तैनात हैं। पुलिस ने बताया कि पिछले साल भी कुछ शरारती तत्वों ने बेंगलुरु के विद्यालयों में बम होने का दावा करते हुए इसी प्रकार के ईमेल भेजे थे, जो बाद में एक अफवाह साबित हुए। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने उन विद्यालयों में से एक स्कूल का दौरा किया जहां बम होने का दावा किया गया है। उन्होंने स्कूल और पुलिस से स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने कहा, ''टीवी पर समाचार देखकर मैं थोड़ा परेशान हो गया था, क्योंकि कुछ ऐसे विद्यालयों का जिक्र किया गया है जिन्हें मैं जानता हूं और जो मेरे घर के पास हैं, इसलिए मैं स्थिति का पता लगाने बाहर गया। पुलिस ने मुझे मेल दिखाया है। प्रथम दृष्टया यह फर्जी प्रतीत हो रहा है। मैंने पुलिस से बात की3 लेकिन हमें सतर्क रहना चाहिए। माता-पिता चिंतित हैं, लेकिन चिंता करने की जरूरत नहीं है। पुलिस इसकी जांच कर रही है। शिवकुमार ने माता-पिता से चिंता न करने की अपील की और कहा कि उनके बच्चे सुरक्षित रहेंगे। उन्होंने कहा, ''कुछ शरारती लोगों ने ऐसा किया होगा। हम 24 घंटे में उन्हें पकड़ लेंगे। अपराध शाखा पुलिस सक्रिय है, वे अपना काम कर रहे हैं3 हमें भी सतर्क रहना चाहिए और लापरवाही नहीं करनी चाहिए।'

मौतों वाली कार्य संस्कृति

अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) की ताजा रिपोर्ट बतलाती है कि दुनिया की एक बड़ी आबादी बहुत खराब हालात में काम करती है। स्थितियां इतनी बुरी हैं कि उनके कारण लाखों श्रमिक और कर्मचारी किसी न किसी वजह से दम तोड़ देते हैं, फिर वह चाहे काम का बोझ हो या कार्य स्थलों पर होता प्रदूषण। यह एक तरह से क्रूर पूंजीवाद के उसी चेहरे का प्रतिबिम्ब है जो मुनाफा कमाने के लिये अमानवीयता की तमाम सरहदें लांघता है। पिछले कुछ अरसे से पूंजी के मुकाबले श्रम की घटती महत्ता का भी यह साक्ष्य है।आईएलओ की इस 2019 की रिपोर्ट के मुताबिक काम से सम्बन्धित दुर्घटनाओं और विभिन्न तरह की बीमारियों के चलते विश्व में 30 लाख लोगों ने जान गंवाई। यह आंकड़ा साल 2000 के मुकाबले 12 फीसदी ज्यादा तथा 2015 की तुलना में 5 प्रतिशत अधिक है जो यह बतलाने के लिये पर्याप्त है कि लोगों का मरना बदस्तूर जारी है। जो तथ्य प्रमुखता से सामने आया वह यह है कि मौतों का सबसे बड़ा कारण है प्रति सप्ताह 55 घंटों से अधिक समय तक की काम की अवधि का होना। अकेले इसी कारण से करीब 7.5 लाख कर्मचारियों व श्रमिकों ने प्राण खोये। ऐसे में इंफोसिस के संस्थापक नारायण मूर्ति के उस बयान का भी स्मरण हो आता है जिन्होंने हाल ही में एक चर्चा के दौरान कहा था कि श्अगर भारत को चीन से मुकाबला करना है तो यहां के प्रत्येक युवा को सप्ताह में कम से कम 60 घंटे काम करना चाहिये। दुनिया जब 55 घंटे से अधिक अवधि तक काम करने का नतीजा बड़ी संख्या में लोगों की मौत के रूप में देख रही है, तो नारायण मूर्ति का यह बयान निष्ठुर ही कहा जा सकता है। यह पूंजीवाद का वह विद्रूप पक्ष है जिसमें कारोबारियों को लोगों की जान की परवाह नहीं होती और वे आर्थिक लाभ को ही तरजीह देते हैं। ये वे मौतें हैं जिनकी रिपोर्ट हुई है या जानकारियां दस्तावेजों तक पहुंच सकी हैं। बड़ी संख्या में ऐसे गैर-संगठित क्षेत्र के लोग हैं जो जान तो गंवाते हैं परन्तु वे घोषित आंकड़ों के हिस्से नहीं बन पाते। यह पूरी दुनिया का हाल है, लेकिन तीसरी दुनिया कहे जाने वाले देशों में श्रमिकों की स्थिति बहुत ही दयनीय व चिंतनीय है जो 21वीं सदी में हासिल की गई वैज्ञानिकता, तकनीकी विकास एवं आधुनिक प्रबंधन शैली के भी विपरीत है। एशियाई, अफ्रीकी एवं लातिन अमेरिका के कई अविकसित व विकासशील देशों में लोगों को खतरनाक परिस्थितियों में काम करना पड़ता है। ये मौतें व्यापक पैमाने पर मानवाधिकार की दुर्दशा को भी बयान करती हैं। वर्गीकृत मौतों के अलावा सोचे-समझे बिना थोपे जाने वाले सरकारी निर्णयों के कारण भी बड़ी संख्या में कार्य स्थलों पर मौतें होती हैं। भारत में नोटबंदी एक ऐसा ही उदाहरण है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सनक व अदूरदर्शिता से उपजे इस फैसले का नतीजा देश ने बैंकों के बाहर लोगों की तथा बैंकों के भीतर कर्मचारियों की मौतों के रूप में देखा था। इसी प्रकार कोरोना काल में भी लोगों से लिये जा रहे काम के दौरान भी हजारों लोगों ने जानें गंवाई थीं। उत्तर प्रदेश में कोविड के दौरान स्थानीय निकायों के चुनाव कराये गये थे। नौकरी खोने के डर से राज्य सरकार के हजारों कर्मचारियों व अधिकारियों ने दूर-दराज जाकर चुनावी ड्यूटी की थी। पर्याप्त ऐहतियात बरतने की सुविधा न होने और इलाज की अनुपलब्धता के कारण बड़ी तादाद में मौतें हुई थीं।आईएलओ की रिपोर्ट के अनुसार अन्य कारण तथा उनसे मरने वाले लोगों की संख्याएं इस प्रकार हैं- गैस रिसाव व आगजनी से 4.5 लाख, काम के दौरान घायल होकर 3.63 लाख, एसबेस्टस 2.09 लाख, सिलिका 42 हजार से ज्यादा, कार्य जनित अस्थमा लगभग 30 हजार, विकिरण 18 हजार, डीजल इंजिन एग्जास्ट 14700, अर्सेनिक 7600 एवं निकल से 7300। जो सेक्टर सर्वाधिक खतरनाक माने गये हैं और जिनमें सर्वाधिक घटनाएं हुई हैं, उनमें खनन, विनिर्माण, बिजली तथा प्राकृतिक गैस हैं। इस रिपोर्ट पर सिडनी में चल रही 23वीं कांग्रेस में चर्चा होगी जिसमें सुरक्षित कार्य पद्धति विकसित करने सम्बन्धी उपाय सुझाए जायेंगे। काम के दौरान घायल होने वालों की संख्या तो करोड़ों में है जो यह बतलाता है कि कामकाजी जनता के लिये सुरक्षित कार्य संस्कृति विकसित करने की दिशा में अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। भारत के परिप्रेक्ष्य में देखें तो यह रिपोर्ट ऐसे वक्त पर आई है जब भोपाल गैस त्रासदी के करीब 40 साल पूरे होने जा रहे हैं। 2 व 3 दिसम्बर, 1984 की मध्य रात्रि को यहां स्थित यूनियन कार्बाइड के संयंत्र से 45 टन मिथाइल आईसोसाइनेट का रिसाव हुआ था। इससे 15 से 20 हजार लोग मारे गये थे और करीब 6 लाख लोगों पर उसका प्रभाव पड़ा था। इनमें बड़ी तादाद में सामान्य जनता के अलावा संयंत्र के कर्मचारी थे जो या तो कार्यरत थे अथवा आसपास ही रहते थे। बेशक मरने वाले गैर कर्मचारी अधिक हैं परन्तु यह बतलाने के लिये ये आंकड़े पर्याप्त हैं कि कर्मचारियों को किन हालात में काम करना पड़ता है। इस त्रासदी को अब तक की दुनिया की सबसे बड़ी औद्योगिक आपदा के रूप में निरूपित किया जाता है। कारखानेदारों की औद्योगिक सुरक्षा एवं पर्यावरण संरक्षण पर खर्च न करने की प्रवृत्ति से काम करने वालों की जान हमेशा जोखिम में रहती है। शासकीय विभाग एवं नियामक एजेंसियां भी इस ओर ध्यान नहीं देतीं।

तेलंगाना में भी शानदार मतदान

तेलंगाना में भी धुआंधार मतदान के बाद 3 दिसम्बर को चुनाव परिणामों का इन्तजार देश के हर नागरिक को रहेगा। देश के जिन पांच राज्यों मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, मिजोरम व तेलंगाना में चुनाव हुए हैं उन सभी में इस बार अच्छा मतदान हुआ है जिससे पता चलता है कि मतदाता राजनीति के प्रति लगातार सजग हो रहे हैं। तेलंगाना इन सभी राज्यों में सबसे युवा राज्य है जिसका गठन 2014 में केन्द्र की डा. मनमोहन सिंह सरकार ने किया था परन्तु इसी साल बाद में हुए विधानसभा चुनावों में यहां क्षेत्रीय नेता श्री चन्द्रशेखर राव की तेलंगाना राष्ट्रीय समिति जीत गई थी। इसकी वजह यह समझी गयी थी कि तेलंगाना निर्माण के लिए इस पार्टी ने सड़कों पर संघर्ष किया था और जन आन्दोलन छेड़ा था। तब से अब तक चन्द्रशेखर राव ही इस राज्य के मुख्यमन्त्री चले आ रहे हैं और ऐसा माना जा रहा है कि इस बार के चुनावों में सत्ता विरोधी लहर चली है। इसमें कितना सत्य है, इसका पता तो 3 दिसम्बर को ही चलेगा परन्तु आम जनता का उत्साह चुनाव प्रचार के दौरान जिस तरह देखने को मिला उससे इतना तो कहा ही जा सकता है कि जनता निर्णायक फैसला कांग्रेस अथवा समिति को देने जा रही है। पिछली बार भी यहां के मतदाताओं ने राष्ट्रीय समिति के प्रत्याशियों को जबर्दस्त समर्थन दिया था और 119 सदस्यीय विधानसभा में इसके 88 सदस्य भेज दिये थे। दूसरे नम्बर पर कांग्रेस रही थी जिसके 21 सदस्य चुने गये थे जबकि भाजपा का केवल एक विधायक ही चुना गया था। चुनावी विशेषज्ञों का मानना है कि इस बार कांग्रेस व राष्ट्रीय सदस्यों की संख्या में भारी बदलाव आ सकता है जबकि भाजपा असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी इत्तेहादे मुसलमीन के बाद चौथे नम्बर पर ही रहेगी। इससे कहा जा सकता है कि असली मुकाबला कांग्रेस व राष्ट्रीय समिति के बीच ही है। तेलंगाना छोटा राज्य है मगर इसकी शहरी जन संख्या 39 प्रतिशत व ग्रामीण जनसंख्या 61 प्रतिशत के लगभग है।

खनिज तेल आपूर्ति में कटौती का सवाल, सभी निगाहें ओपेक की बैठक पर

तेल बाजार इस सप्ताह आगामी ओपेक बैठक के नतीजों का बेसब्री से इंतजार कर रहा है जिसकी 26 नवम्बर की बैठक को आंतरिक समस्याओं के कारण स्थगित करना पड़ा था। यह बैठक उत्पादक और आयातक दोनों देशों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है, विशेष रूप से इस आकलन के बीच कि एक नये उत्पादन में कटौती पर समझौता चुनौतीपूर्ण होने वाला है? हालांकि ओपेक की बैठकें पहले भी स्थगित की जा चुकी हैं, लेकिन यह पहली बार है कि यह स्थगन इतने दिनों तक चला है। स्थगन के कारण ही कच्चे तेल की कीमतों में 4 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई। सप्ताह की शुरुआत में क्रूड की कीमतें लगभग 74.70 डॉलर प्रति बैरल के आसपास कारोबार कर रही थीं, जबकि ब्रेंट क्रूड गिरकर लगभग 80 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया था। मामूली वृद्धि दर्ज करने के बाद, सप्ताहों में इस तरह की पहली बढ़ोतरी, ओपेक् द्वारा अफ्रीकी देशों में उत्पादन लक्ष्यों को पूरा करने के लिए मंत्री स्तरीय बैठक को 30 नवंबर तक स्थगित करने के बाद सप्ताह के मध्य में कीमतों में गिरावट आई। यह स्थगन ओपेक् समूह के भीतर उत्पादन में कटौती के समझौते पर पहुंचने में कठिनाइयों का संकेत देता है। प्रत्येक सदस्य देश 2024 में कीमतों का समर्थन करने के लिए उत्पादन में कमी करने की आवश्यकता को स्वीकार करता है, लेकिन सवाल यह है कि आपूर्ति में कटौती का बोझ कैसे साझा किया जाये। यह माना जाता है कि आगे की कटौती के बिना, कीमतें 2024 तक 80 डॉलर प्रति बैरल के आसपास रहेंगी। जून 2023 में तय किये गये 2024 उत्पादन कोटा में 23 सदस्य देशों में से नौ के लिए कम उत्पादन लक्ष्य शामिल था, जो रूस, नाइजीरिया, अंगोला, मलेशिया, अजरबैजान, इक्वेटोरियल गिनी, कांगो, ब्रुनेई और सूडान हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि इन देशों के लिए कम उत्पादन कोटा स्वीकार करना भी मुश्किल होगा। हालांकि, चुनौतियों के बावजूद, तेल बाजार विशेषज्ञ रिस्टैड एनर्जी को उम्मीद है कि ओपेक् आगामी बैठक में उत्पादन कम करने के समझौते पर पहुंचेगा। इसमें संयुक्त अरब अमीरात, कुवैत और इराक जैसे सदस्यों से आगे स्वैच्छिक कटौती शामिल हो सकती है। वहीं, रिस्टैड गतिरोध की संभावना से इनकार करने को तैयार नहीं हैं। इस बात को लेकर काफी उम्मीदें हैं कि सरगना सऊदी अरब प्रतिदिन 1 मिलियन बैरल (बीपीडी) की स्वैच्छिक कच्चे तेल उत्पादन में कटौती पर क्या निर्णय लेता है। चाहे वे कोई भी रास्ता अपनाएं, उत्पादन में कटौती पर सऊदी अरब का निर्णय अंततः वैश्विक तेल कीमतों के अल्पकालिक भविष्य को आकार देगा। राज्य आपूर्ति को सीमित करके कीमतें ऊंची रखने की इच्छा को इस ज्ञान के साथ संतुलित कर रहा है कि ऐसा करने से समग्र बाजार हिस्सेदारी में और गिरावट आयेगी। हाल की कीमत में गिरावट इस बात का संकेतक हो सकती है कि ओपेक बैठक में क्या उम्मीद की जा सकती है, क्योंकि सऊदी ने बार-बार प्रदर्शित किया है कि उनका मूल्य स्तर 80 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर है। सऊदी अरब ने उस बैठक के मौके पर अपनी स्वैच्छिक कटौती की घोषणा की, शुरुआत में जुलाई के लिए 1 मिलियन-बीपीडी उत्पादन कटौती की प्रतिबद्धता जताई। इसके बाद इसे मासिक आधार पर अगस्त और सितंबर तक बढ़ा दिया गया, जबकि सितंबर की शुरुआत में, रियाद ने इस साल के अंत तक विस्तार की घोषणा की। तेल बाजार यह देखना चाहेंगे कि क्या सऊदी अरब इन कटौती को 2024 तक बढ़ाता है या वह इन्हें धीरे-धीरे कम करना चाहता है या इस साल के अंत में इन्हें समाप्त होने देता है। चाहे जो भी हो, सऊदी अरब के फैसले का तेल बाजारों और विशेष रूप से अगले साल तेल की कीमत पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ेगा।रिस्टैड एनर्जी का मानना है कि सऊदी स्वैच्छिक कटौती को 2024 तक नहीं बढ़ाया जायेगा, क्योंकि आपूर्ति में आश्चर्यजनक वृद्धि हुई है, जो अगले साल की पहली तिमाही के लिए संतुलित बाजार का संकेत है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि दूसरी तिमाही में 600,000 बीपीडी से अधिक का बाजार अधिशेष दिखाई दे रहा है। आगे बढ़ते हुए, अगले वर्ष की दूसरी छमाही में लगभग 450,000 बीपीडी की कमी होने की उम्मीद है। कुल मिलाकर, रिस्टैड को उम्मीद है कि इस साल लगभग 1.2 मिलियन के महत्वपूर्ण घाटे की तुलना में 2024 में तेल बाजार काफी संतुलित रहेगा। हाल के सप्ताहों में तेल की कीमत पर गिरावट का दबाव बढ़ गया है, अत्यधिक आपूर्ति की चिंताओं के कारण भारी बिकवाली के कारण कीमतें 80 डॉलर प्रति बैरल से नीचे गिर गई हैं। यह अक्टूबर की शुरुआत में शुरू हुए इजराइल-हमास संघर्ष के फैलने के ठीक बाद तेल की कीमत के स्तर से काफी नीचे है, जब कीमतें लगभग 95 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई थीं। मंदी की उम्मीदों को और अधिक बल दे रहे हैं, हाल के आंकड़े, जिससे पता चलता है कि अमेरिकी वाणिज्यिक कच्चे माल की सूची पिछले चार हफ्तों में बढ़ी है और अब यह 440 मिलियन बैरल है, जो एक महीने पहले 420 मिलियन बैरल से अधिक था। रिस्टैड विश्लेषण से पता चलता है कि, ऐसे परिदृश्य में जहां सऊदी अरब स्वैच्छिक कटौती का विस्तार नहीं करता है, बाजार में मंदी बढ़ेगी और अगले साल तेल की कीमत औसतन 80 डॉलर प्रति बैरल से थोड़ा ऊपर होगी। दूसरे छोर पर, यदि सऊदी अरब अप्रैल 2024 तक स्वैच्छिक कटौती बढ़ाता है और फिर धीरे-धीरे उन्हें कम करता है, तो 2024 में कीमत औसतन 96 डॉलर प्रति बैरल होगी। आईएमएफका नवीनतम अनुमान सऊदी तेल के लिए 86 डॉलर प्रति बैरल की ब्रेकईवन कीमत का सुझाव देता है। इसका मतलब यह होगा कि सऊदी अरब को उस मूल्य स्तर को हासिल करने के लिए, कम से कम जून 2024 तक बाजार हिस्सेदारी देना जारी रखना होगा।-**के रवीन्द्रन**

तेजस का तेज

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 25 नवम्बर को बेंगलुरु में हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड की साइड पर हल्के लड़ाकू विमान तेजस में उड़ान भरी। उड़ान भरने के बाद प्रधानमंत्री ने काफी गर्व महसूस किया। जिस तेजस विमान की चर्चा फिर से शुरू हुई है उसका अपना सफरनामा काफी संघर्षपूर्ण रहा है। इस विमान को बनाने में 33 वर्ष लग गए। जिस विमान के निर्माण में लगातार बाधाएं आती रही हैं आज उसी विमान के लिए दुनिया लाइन लगाकर खड़ी है। अमेरिका, आस्ट्रेलिया, इंडोनेशिया और फिलीपिन्स समेत छह देशों ने भारत के हल्के लड़ाकू विमान तेजस को खरीदने में रूचि दिखाई है। इसके अलावा अर्जेंटीना, नाइजीरिया और मिस्र को भी तेजस को निर्यात करने की सम्भावनाएं तलाशी जा रही हैं।सबसे पहला सवाल तो शायद आपके मन में यह आ रहा होगा कि भारत ने यह विमान क्यों बनाना शुरू किया? तो इसका सीधा और आसान जवाब यह है कि पिछले पांच दशकों में 400 से ज्यादा मिग-21 विमान क्रेश हुए, जिसकी वजह भारतीय सरकार मिग-21 की जगह कोई दूसरा ऑप्शन तलाश कर रही थी जो मिग-21 से कई मायनों में बेहतर हो और हुआ भी कुछ ऐसा ही। तेजस मिग-21 की जगह लेने में कामयाब हो गया। भारतीय वायु सेना में हल्के विमान शामिल करने की जद्दोजहद साल 1983 में ही हो चुकी थी। सरकार की तरफ से इसका ग्रीन सिग्नल मिलते ही इस पर काम शुरू हो चुका था। उस वक्त साइंटिस्ट्स के सिर्फ दो ही मकसद थे, पहला यह कि मिग-21 की जगह एक बेहतर फाइटर जेट तैयार करना है वहीं दूसरा यह था कि जो विमान तैयार किया जा रहा है वो हल्का भी होना चाहिए, 1983 से लेकर साल 2001 तक इसके पीछे कड़ी मेहनत हुई और जनवरी 2001 में जब देश के प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी थे तो इस विमान ने पहली उड़ान भरी थी। इस विमान को बनाने की जद्दोजहद 1983 में ही शुरू हो गई थी लेकिन एक के बाद एक मुश्किलें आती रहीं। पहले 1983 में शुरू की गई। स्वर्गीय प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी के शासनकाल में पोखरण में किए गए परमाणु विस्फोटों के चलते अमेरिका सहित कई देशों ने भारत पर कई प्रतिबंध लगा दिए थे। तब दुनिया दो खेमों में बंटी थी। एक खेमा अमेरिका और दूसरा सोवियत संघ का था। प्रतिबंधों के चलते भारत को कई घ्उपकरण मिलना बंद हो गए थे। 1998 में अटल बिहारी के शासनकाल में भारत द्वारा परमाणु परीक्षण के बाद अमेरिका द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों ने इस परियोजना को लगभग रोक दिया था। क्योंकि इससे कुछ आयातित प्रौद्योगिकियों तक पहुंच बंद हो गई थी। इन प्रतिबंधों के चलते परियोजना दो दशक पीछे धकेल दी गई थी लेकिन धीरे-धीरे परिस्थितियां बदलीं। देशों के बीच संबंधों की नई परिभाषाएं गढ़ी गईं। 1983 से लेकर 2001 तक इसके पीछे कड़ी मेहनत हुई और 4 जनवरी 2001 में तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने इस विमान में पहली उड़ान भरी। अटल बिहारी वाजपेयी ने इस विमान को तेजस का नाम दिया था। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह तेजस विमान को उड़ाने वाले पहले मंत्री बने। तभी उन्होंने देश को रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने का संकल्प लिया था। भारतीय वायुसेना रक्षा मंत्रालय ने अब तक कुल 324 तेजस विमान खरीदने के लिए एचएएल के साथ अनुबंध किया। इस विमान की कई खासियतें हैं। यह विमान स्पीड का सौदागर है। तेजस को एल्युमीनियम, लीथियम एलॉय, कार्बन फाइबर कंपोजिट्स और टाइटेनियम एलॉय स्टील से बनाया गया है। इस वजह से तेजस दूसरे लड़ाकू विमानों की तुलना में काफी हल्का है। इसका वजन केवल 6560 किलोग्राम है। साथ ही इसकी ताकत भी अपनी पीढ़ी के दूसरे विमानों से कम नहीं है। तेजस की सबसे बड़ी खूबी यह है कि इसके 50 फीसदी कलपुर्जे भारत में बने हैं। फरवरी 2019 में इसे एयरफोर्स में शामिल किया गया। तेजस हल्के वजन में बेहद कारगर लड़ाकू विमान है क्योंकि वह 1.6 मैक की स्पीड से उड़ान भरता है। साथ ही इसे लैंडिंग और टेक ऑफके लिए कम जगह की जरूरत पड़ती है। इसकी वजह से इसके लिए हथियार ले जाना न केवल आसान है बल्कि दुर्गम क्षेत्रों में लैंडिंग और टेक ऑफमें आसानी रहती है। इसमें लगे रडार हवा से हवा और हवा से जमीन दोनों में कारगर हैं। साथ ही यह हर तरह के मौसम में काम करने में सक्षम है। ये सारी खूबियां तेजस को एक अनोखा विमान बनाती हैं जो अपनी पीढ़ी के दूसरे विमानों पर भारी पड़ता है। इन खूबियों की वजह से इसने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी तरफखींचा है।मोदी सरकार रक्षा उत्पादों के स्वदेशी उत्पादों पर लगातार जोर दे रही है। अब भारत में ही रक्षा उपकरण के भी निर्माण और निर्यात को बढ़ावा दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अमेरिका यात्रा के दौरान एमके-2 तेजस के लिए संयुक्त रूप से इंजन का उत्पादन करने के लिए भी एचएएल के साथ समझौता हो चुका है। तेजस में समय-समय पर परिवर्तन किये जाते रहे हैं।

आज का राशि फल

मेष:- आज कुछ अच्छे आसारों से मन प्रफुल्लित रहेगा। रोजगार संबंधी यात्रा में अवरोध संभव। शिक्षार्थियों के लिए विशेष लाभ के आसार है। शिक्षा क्षेत्र में जुड़े सभी छात्रों को परिश्रम करने की आवश्यकता है।

बृषभ :- स्वयं पर भरोसा कर योजनाओं को सुचारु रूप से क्रियान्वित करें। संबंधों में सरल व व्यवहारिक बनने की कोशिश करें। आर्थिक चिंता संभव। शिक्षार्थियों के लिए विशेष लाभ के आसार हैं।

मिथुन:- किसी महत्वपूर्ण कार्य में अवरोध मन को हतोत्साहित करेगा। संबंधों के प्रति नयी शिकायतें संभव। किसी विद्वान के विचारों से प्रभावित मन मे उत्साह का संचार होगा। क्रोध पर नियंत्रणरखें।

कर्क :- कोई नई जिज्ञासा मन को आकर्षित करेगी। भौतिक सुख-साधनों की लालसा बढ़ेगी। शिक्षा-प्रतियोगिता के दिशा में प्ररिश्रम तीव्र होगा। रोजगार में प्रगति संभव। पत्नी के स्वास्य का ध्यान रखें।

सिंह :- किसी महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुविधाग्रस्त होगा। मित्रवत संबंधों का लाभ प्राप्त होगा। आवेश में लिये गये निर्णय से पश्चाताप संभव। शिक्षा-प्रतियोगिता की दिशा में प्ररिश्रम तीव्र होगा।

कन्या :- समस्याओं के समाधान हेतु मन नए युक्तियों पर केन्द्रित होगा। महत्वपूर्ण कायरे के प्रति आलस्य न करें। छोटी-छोटी बातों पर क्रोधित न हो। शिक्षा-प्रतियोगिता के दिशा में प्ररिश्रम तीव्र होगा।

तुला :- मन सकारात्मक विचारों से प्रभावित होगा। नाजुक संबंधों में सन्तुलित व मधुर वाणी का प्रयोग करें। कोई आपका अपना बिगड़े हुए सम्बन्धों मे सुधार कराएगा। किसी कार्य से संपन्न होने के आसार हैं।

वृश्चिक :- सभी प्रकार के दायित्वों की पूर्ति हेतु सन्तुलित योजना पर चलें। किसी महत्वपूर्ण निर्णय में संबंधों का सहयोग प्राप्त होगा। विरोधियों की प्रबलता से कठिनाइयां संभव। मधुर वाणी का प्रयोग करें।

धनु :- नए समीकरण लाभकारी कार्य क्षमता के परिचायक होंगे। प्रणय सम्बनध मे प्रगाढ़ता बढ़ेगी। आय-व्यय मे सन्तुलन बनने का प्रयत्न करें। आलस्य का त्याग करें। रोजगार के अवसर सुलभ होंगे।

मकर :- कोई नई जिज्ञासा मन को आकर्षित करेगी। भौतिक सुख-साधनों की लालसा बढ़ेगी। शिक्षा-प्रतियोगिता के दिशा में प्ररिश्रम तीव्र होगा। रोजगार में प्रगति संभव। कटु शब्दों का प्रयोग न करें।

कुंभ :- पुरानी समस्याओं पर विजय प्राप्त कर आप उत्साहित होंगे। नियोजित कार्यकुशलता प्रगति के लिए आशान्वित होंगे। सुखद कायरे की व्यस्तता रहेगी। भौतिक सुख-साधनों की लालसा बढ़ेगी।

मीन :- क्षमता से परे किसी कार्य की जिम्मेदारी लेना हानिकार हो सकती है। विद्यार्थी शिक्षा मे लापरवाही ना करें। रोजगार में नए लाभ के अवसर प्राप्त होंगे।

खेल में खनकती पूंजी

विश्वकप क्रिकेट में कमेंटरी करने भारत आए पूर्व आस्ट्रेलियाई बल्लेबाज रिकी पोंटिंग की यह टिप्पणी अभी भी सोशल मीडिया पर चर्चा और विवाद का विषय बनी है कि आस्ट्रेलिया की फाइनल की जीत क्रिकेट माफिया के खिलाफन्याय की जीत है। उनका इशारा ही नहीं, साफ कहना है कि क्रिकेट पर माफिया काबिज है, वही अधिकांश फैसले कराने लगा है और आस्ट्रेलिया ने अपने खेल के दम पर इस क्रम को पलटा है। इस बयान से उन लोगों की बाछें खिल गई हैं जो गृहमंत्री अमित शाह और भारतीय क्रिकेट प्रशासन पर हावी जमात के आलोचक रहे हैं। यह आलोचना अभी से नहीं डालमिया, बिन्द्रा और पवार राज के दिनों से हो रही है और इधर यह शोर बढ़ा है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट पर भारतीय क्रिकेट और क्रिकेट प्रशासन का दबदबा बढ़ा है- निश्चित रूप से बढ़ा है, भारत की मर्जी के खिलाफज्यादा उल्टा फैसला होना बंद हुआ है। ऐसा भारत में क्रिकेट के बढ़ने, लोकप्रिय होने और क्रिकेट में बाजार की तरफसे भारी पैसा आने की वजह से ज्यादा हुआ है, किसी माफिया के चलते उतना नहीं। स्वयं पोंटिंग से लेकर आस्ट्रेलिया के ही नहीं, दुनिया के सारे बड़े खिलाड़ियों का इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खेलने को लालायित रहना इसका ही प्रमाण है। जब से यह बदलाव हुआ है तब से भारत का माफिया प्रभावी हुआ हो या नहीं, भारतीय क्रिकेट प्रशासकों का अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से जुड़े फैसलों पर दबदबा बना है या नहीं, लेकिन इंग्लैंड, आस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका जैसे देशों के क्रिकेट प्रशासकों का दबदबा खत्म जरूर हुआ है। भारत ही नहीं तीसरी दुनिया के कमजोर देशों के क्रिकेट प्रशासकों और खिलाड़ियों को उस दबदबे के चलते क्या-क्या भुगतना पड़ा है इसका किस्सा लिखना शुरू हो तो पूरा पुराण बन जाएगा। अपने अनुकूल पिच बनाने जैसी आलोचना तो बहुत ही हल्की है। अब ऐसा भी नहीं है कि क्रिकेट प्रशासन बहुत लोकतान्त्रिक ढंग से चलता हो या वहां सारा कुछ पाक-साफ ही हो। इस बार ही आयोजन स्थल, मैदान, खेल के दिन से लेकर टिकट की ब्लैकमेलिंग और होटल या विमान भाड़ा तक में जो-जो हुआ उसे हेल्दी हैबिट तो कदापि नहीं कहा जा सकता। खिलाड़ियों से ज्यादा क्रिकेट प्रशासकों की अय्याशी की भी चर्चा खेल के लिए स्वस्थ नहीं है। क्रिकेट के प्रसारण राइट्स की कहानी भी गंदली है और दर्शक बढ़ने का ज्यादा लाभ खिलाड़ी और प्रशासन की जगह बाजार उठाता जा रहा है। इसी का प्रमाण है कि भारत के अंदर भी नेट के जरिए मैच देखने दिखाने का कारोबार सामान्य टीवी प्रसारण से अलग किया गया है। तब भी वहां साढ़े पांच करोड़ तक दर्शक पहुंचे ही नहीं हैं, ज्यादा समय तक क्रिकेट देखने का रिकार्ड भी दर्ज हो रहाहै। दसियों भाषाओं में कमेंटरी हो रही है। दस सेकेंड के विज्ञापन का रेट तीस लाख रुपए तक पहुंचने की चर्चा है। एक फोटो इस्तेमाल करने की कीमत चुकानी पड़ती है। क्रिकेटरों के बल्ले से लेकर वर्दी तक पर कितनी कंपनियों के विज्ञापन का बोझ होता है इसकी गिनती मुश्किल हो गई है। कैमरा कहां फोकस करे इसको लेकर झगड़ा होता है। क्रिकेट दिखाने का सामान्य शिष्टाचार पीछे चला गया है। बाजार और ब्रांड के अलावा पर्सनल खुराक और ट्रेनर भी ब्रांड बनाते जा रहे हैं। कमेंटेटरों तक को मिलने वाले पैसे आंख फाड़ने वाले हैं, उपहार और अन्य सुविधाओं का तो हिसाब ही अलग है। अलबत्ता, क्रिकेट प्रसारकों को भारत के फाइनल में हारने से ही नहीं,धमाकेदार ढंग से लगातार दस मैच जीतकर फाइनल पहुंचने से भी शिकायत रही है। भारतीय गेंदबाज इस बार फाइनल के अलावा लगभग सभी मैचों में सफल रहे और पूरे पचास ओवर की जगह छब्बीस, सत्ताईस ओवर में ही विपक्षी दल को समेट देते थे। विपक्ष के कम स्कोर को धमाकेदार भारतीय बल्लेबाज पचीस-तीस ओवर में ही पूरा कर लेते थे। ऐसा प्रतियोगिता के ज्यादातर मैचों में हुआ और नजदीकी मुकाबले देखने के लिए दर्शक भी तरसे। ऐसे मुकाबलों में बाजार के लोगों को विज्ञापन के लिए कम समय मिलता है। अगर पचास ओवर की पारी चालीस ओवर से पहले निपट जाए तो 7000 से लेकर 7500 सेकेंड के विज्ञापन समय का नुकसान होता है। यह समय श्कीमतीश् है और यह नुकसान बड़ा। जब विश्वकप और उससे पहले हुए एशिया कप के मुकाबलों (वैसे यह टूर्नामेंट बारिश के चलते बहुत बाधित हुआ) ने श्राद्ध-पक्ष में भी टीवी की रिकार्ड बिक्री से धमाकेदार शुरूआत करा दी थी तो बाजार की उम्मीद काफी होना स्वाभाविक है। उसने बेमौसम कोल्ड ड्रिंक की बिक्री बढ़ाने का अनुभव किया तो कोल्ड ड्रिंक के नए विज्ञापन ही नहीं बढ़े, दो-तीन ब्रांड भी बहुत धूम-धड़ाके से लांच कर दिए गए। इस बार स्टेडियम ही नहीं सड़कों पर भी भारतीय जर्सी का रंग छाया रहा, पर उससे ज्यादा सड़क के किनारे सस्ते ब्रांड और आनलाइन बिक्री में ब्रांडेड माल की धूम रही। देश में सौ करोड़ की एक ब्रांड की जर्सी बिकने का अंदाजा है। आनलाइन बुकिंग में आठ-नौ गुना तक ज्यादा मांग आई है, पर कहना होगा कि फाइनल की हार ने इस धूम-धड़ाके पर रोक ही नहीं लगाई, इसकी चर्चा भी बंद करा दी है।इन ब्रांडों से ज्यादा नुकसान क्रिकेट को यहां तक पहुंचाने वाले खिलाड़ियों की कमाई में हो गया लगता है। जिस विराट कोहली और रोहित शर्मा ने बल्ले से धूम मचाई, उनका ब्रांड मूल्य या विज्ञापनों की संख्या में ज्यादा वृद्धि का अनुमान नहीं है। यह तब है जब विराट ने अपनी पुरानी मार्केटिंग कंपनी से करार तोड़कर नई कंपनी से करार किया था जिससे नए रेट पाने में आसानी होगी। वैसे अकेले उनकी ही कमाई डेढ़ हजार करोड़ के करीब है। बाकी तो इस प्रतियोगिता में सबसे ज्यादा धूम मचाने वाले मोहम्मद समी को अभी तक कोई बड़ा ब्रांड नहीं मिला है और बाजार के जानकार मानते हैं कि उनको ज्यादा ब्रांड ही नहीं, ज्यादा रेट मिलने की भी उम्मीद नहीं है। उनको पहले 40 से 50 लाख रुपए प्रति ब्रांड मिलता था जो अब एक करोड़ तक पहुंच सकता है, जबकि बड़े खिलाड़ी और सिनेस्टार दस करोड़ तक पाते हैं। अब पोंटिंग को भारतीय क्रिकेट प्रशासकों पर टिप्पणी करने की सूझी, लेकिन उनको बाजार का यह खेल, यह दादागिरी, यह माफियागिरी समझ आती भी है या नहीं यह कहना कठिन है। वे इससे कहां अलग हैं, यह समझना तो और भी मुश्किल है।-**अरविन्द मोहन**

सरकार के पास विजन नहीं, पैसा होने के बाद भी काम नहीं: अखिलेश

मूल बजट खर्च नहीं फिर ये अनुपूरक बजट की जरूरत क्यों

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। यूपी विधानसभा के शीतकालीन सत्र का आजआखिरी दिन काफी हंगामी रहा। नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव ने अनुपूरक बजट पर बोलते हुए जमकर योगी सरकार पर हमला बोला। सदन में अखिलेश यादव ने अनुपूरक बजट पर यूपी सरकार को निशाने पर लिया। अखिलेश यादव ने कहा कि जब पिछले बजट का लगभग 65 फीसदी पैसा खर्च नहीं हुआ है तो अनुपूरक बजट क्यों? नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि सरकार के पास कोई विजन नहीं, पैसा होने के बाद भी काम नहीं हो रहा है। सरकार मूल बजट का पैसा खर्च नहीं कर पा रही है। फिर ये अनुपूरक बजट की जरूरत क्यों पड़ गई। इस सरकार के पास कोई विजन नहीं है। इस सरकार का दोहरा चरित्र है। डींग मारने में ये सरकार सबसे आगे है। मेन बजट का ही पैसा खर्च नहीं हुआ है तो और क्यों चाहिए-? योगी के अनुपूरक बजट पर अखिलेश ने सवाल किया। अनुपूरक बजट को लेकर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने योगी सरकार की नीयत पर सवाल खड़ा किया। शीतकालीन सत्र के अंतिम दिन विधानसभा में अपने संबोधन में अखिलेश यादव ने पूछा कि जब मेन बजट का पैसा ख़र्च नहीं हुआ है तो और क्यों चाहिए।अखिलेश ने कहा कि जिन एक्सप्रेस वे का उद्घाटन हो चुका है उसके लिए बजट आवंटित किया जा रहा है। अगर एक्सप्रेस वे अभी तक तैयार नहीं हुए हैं तो प्रधानमंत्री से उनका उद्घाटन क्यों कराया गया। पूछा कि क्या आधे अधूरे एक्सप्रेस वे का ही उद्घाटन करा दिया गया।अखिलेश ने कहा कि 400 करोड़ रुपए एक्सप्रेस वे के लिए अनुपूरक बजट में लिया गया। फिर प्रधानमंत्री ने क्यों उद्घाटन करा दिया गया है। जो सरकार कहती थी कि समाजवादी सरकार में बना एक्सप्रेस वे घाटे का है। वह अब बताएं कि बुंदेलखंड एक्सप्रेस वे घाटे का है या फायदे का है। मुख्यमंत्री को कई बार कहना पड़ रहा है कि सड़कें गड्ढा मुक्त होंगी। कब होंगी। क्या सड़कें गड्ढा मुक्त हो गई। सबसे ज्यादा लखनऊ और कानपुर में गड्ढे दिखाई देंगे। जब लखनऊ में ही सड़के गड्ढामुक्त नहीं हुई हैं तो अन्य जिलों की क्या उम्मीद करें। जो पैसा खर्च हुआ है, उस पर सरकार बताएगी कि पैसा कहां गया। 40 हजार करोड़ गड्ढा मुक्ति पर खर्च हो गया।अखिलेश ने एक मैगजीन का हवाला देते हुए कहा कि यूपी आर्थिक मामलों में 18वें स्थान पर है। वित्तमंत्री सुरेश खन्ना से कहा कि आप क्यों मुख्यमंत्री को गुमराह कर रहे हैं। सबसे प्रमुख पैरामीटर स्वास्थ्य के मानक पर सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले राज्यों में यूपी 19वें नंबर पर है। केवल प्रचार पर पैसा खर्च हो रहा है। जिन राज्यों ने ज्यादा सुधार किया उन राज्यों की सूची से ही यूपी बाहर हो गया है। अखिलेश ने कहा कि सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं को जानबूझकर सरकार बर्बाद कर रही है। सरकार चाहती है कि सरकारी की जगह प्राइवेट अस्पतालों में जाकर लोग इलाज कराएं। जब इतना बड़ा बजट दिया तो 170 करोड़ केवल स्वास्थ्य के बजट में रखा गया है। इस सरकार ने एक जिला अस्पताल भी नहीं बनाया। न ही पुराने जिला अस्पतालों का सुधार कराया। इसका परिणाम है कि गरीबों को प्राइवेट अस्पतालों में जाना पड़ रहा है। पीजीआई, लोहिया, केजीएमयू जैसे अस्पतालों में मरीज धक्के खा रहे हैं। दलाल मौजूद हैं। वह परेशान लोगों को प्राइवेट अस्पतालों में लेकर चले जा रहे हैं।इस सरकार ने मंत्रियों की ड्यूटी अस्पतालों में लगाई। अखिलेश ने पूछा कि क्या सरकार पीपीपी मॉडल पर अस्पताल बना रही है। यहां बैठे विधायक जानते होंगे कि अस्पतालों में इलाज के लिए भी उन्हें पैरवी करनी पड़ रही है। मेडिकल कॉलेज का इतना प्रचार किया जा रहा है लेकिन इनकी हालत बदहाल है। जौनपुर, आजमगढ़, लखीमपुर, मेरठ, सहारनपुर के मेडिकल कॉलेजों की क्या हालत है। आप बड़े बड़े पोस्टर बैनर लगा रहे हैं लेकिन मेडिकल कॉलेजों में इलाज क्यों नहीं मिल रहा है। योगी की तरफ इशारा करते हुए कहा कि उन्हें पता है कि इनके पास जनता दर्शन में जाने वाले सबसे ज्यादा कैंसर के रोगी मदद के लिए जाते होंगे। इनके लिए व्यवस्था नहीं है। जब सरकार एक डॉयरेक्टर नहीं नियुक्त कर पा रही तो कैसे इलाज देंगे।

दहेज हत्या में पति व जेठ को सात साल की सजा

बांदा। दहेज हत्या में नवविवाहिता को पीटकर फंदे से लटकाने में दोषियों को अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश छोटेलाल की अदालत ने सात-सात वर्ष के कारावास की सजा सुनाई। साथ ही तीन-तीन हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया। अर्थदंड अदा न करने पर दो-दो माह की अतिरिक्त सजा काटनी होगी। दोनों दोषी घटना के समय से जेल में हैं।दोनों का वारंट बनाकर जेल भेज दिया गया। सहायक शासकीय अधिवक्ता देवदत्त मिश्रा व प्रमोद कुमार द्विवेदी ने बताया कि पैलानी थाना क्षेत्र के नरौली गांव निवासी रघुराज सिंह ने 26 दिसम्बर 2016 को कोतवाली नगर में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसने अपनी पुत्री अंजली की शादी 28 जनवरी 2016 को शहर के खाईपार मोहल्ला गुलाबबाग निवासी प्रशांत सिंह के साथ की थी। दहेज में एक लाख रुपये व बाइक की मांगकर उसके पति प्रशांत सिंह व जेठ विनय सिंह व उसकी पत्नी रोशनी ने एक बाइक व प्रशांत सिंह के कामकाज के लिए एक लाख रुपये की मांग की। न देने पर उसकी पुत्री के साथ मारपीट की गई। 24 दिसंबर 2016 को मारपीट कर उसे फंदे से लटका दिया। मामले का अरोप पत्र विवेचक ने प्रशांत सिंह व विनय सिंह के विरूद्ध पेश किया और रोशनी को क्लीनचिट देते हुए आरोप से अलग कर दिया। मामले की सुनवाई के दौरान अभियोजन की ओर से सात गवाह पेश किए गए।

2017 से पहले उत्तर प्रदेश में अपराधियों, भूमाफियाओं के हौसले बुलंद थे: योगी आदित्यनाथ

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को विधानसभा में विपक्षी समाजवादी पार्टी (सपा) पर हमला करते हुए कहा कि 2017 से पहले प्रदेश में प्रशासन के समर्थन से अपराधियों एवं भूमाफिआओं के हौसले बुलंद थे तथा हर दूसरे-तीसरे दिन दंगे होते थे। उन्होंने 2017 के बाद प्रदेश का माहौल बदलने का दावा करते हुए कहा कि उनकी सरकार की 'जीरो टॉलरेंस की नीति का परिणाम सभी के सामने है। बुधवार को सदन में पेश हुए अनुपूरक बजट पर चर्चा में हिस्सा लेते योगी आदित्यनाथ ने कहा, हम मानते हैं कि अगर नजर लक्ष्य पर है और कदम सही रास्ते पर हैं तो ऐसा कोई रास्ता नहीं है जो लक्ष्य तक न पहुंचे। हमने एक ट्रिलियन अर्थव्यवस्था का लक्ष्य रखा है और उस तक पहुंचने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, पहले युवाओं के विश्वास को कुचला जा रहा था और भर्तियों में भाई-भतीजावाद किया जा रहा था। पूरी व्यवस्था को छिन्न-भिन्न किया जा रहा था लेकिन आज राज्य इससे उबर चुका है और अपनी पहचान बना रहा है। उन्होंने कहा, उत्तर प्रदेश ने वैश्विक निवेशक शिखर सम्मेलन 2023 आयोजित करके एक बेंचमार्क स्थापित किया है। 40 लाख करोड़ रुपये के प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। उन्होंने पूछा कि जब समाजवादी पार्टी की सरकार थी तो क्या कोई उत्तर प्रदेश आना चाहता था। मुख्यमंत्री ने कहा, यहां तक कि जो लोग पहले से ही राज्य में थे वे भी भागना चाहते थे। लेकिन आज देश और दुनिया के तमाम उद्यमी उत्तर प्रदेश में आकर निवेश करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि जब ये निवेश प्रस्ताव जमीन पर आएंगे तो इससे 1.10 करोड़ लोगों को सीधे रोजगार मिलेगा। उन्होंने कहा, ष्प्रदेश के युवाओं को नौकरी के लिए कहीं बाहर नहीं जाना पड़ेगा बल्कि दुनिया नौकरी के लिए उत्तर प्रदेश आएगी। हमने यह तय कर लिया है। उन्होंने कहा कि पहले राज्य की पहचान खस्ताहाल सड़कों और बिजली की खराब स्थिति के कारण होती थी, लेकिन अब राज्य को एक्सप्रेस वे राज्य के रूप में जाना जाने लगा है। मुख्यमंत्री ने कहा, विपक्ष के नेता भी सड़क मार्ग से यात्रा करते हैं और उन्हें भी नए भारत के नए उत्तर प्रदेश में यात्रा करते समय अच्छा महसूस हो रहा होगा। सपा नेताओं पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा कि वे परेशान हैं क्योंकि राज्य में वीआईपी संस्कृति खत्म हो गई है। मुख्यमंत्री ने कहा, हम लोगों ने 2017 में सत्ता में आने के बाद अब तक 1.64 लाख पुलिस कर्मियों की भर्ती की है। वर्ष 2017 में प्रदेश में प्रशिक्षण की क्षमता मात्र छह हजार थी, आज 30 हजार प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण देने की क्षमता हमारे पास है।

माँ चन्द्रिका देवी मंदिर के सौन्दर्यीकरण एवं प्रकाश की व्यवस्था के लिए लगभग 8 करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए लखनऊ के बख्शी का तालाब स्थित माँ चन्द्रिका देवी मंदिर के सौन्दर्यीकरण एवं लाइटिंग कार्य के लिए लगभग 8 करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई है। इस धनराशि में से मंदिर परिसर के सौन्दर्यीकरण कार्य पर 6.30 करोड़ रुपये तथा प्रकाश आदि की व्यवस्था के लिए 1.65 करोड़ रुपये की धनराशि व्यय की जायेगी। यह प्राचीन मंदिर लखनऊ के धार्मिक स्थलों में प्रमुख स्थान रखता है। यहां पर दूर-दूर से बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं दर्शनार्थी साल भर आते हैं। इसको दृष्टिगत रखते हुए पर्यटक सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। बख्शी का तालाब विकासखंड में कठवारा गांव स्थित मां चंद्रिका देवी का अत्यंत प्राचीन और भव्य मंदिर है। प्रदेश में इस शक्तिपीठ का अपना अलग महत्व है। मां चंद्रिका देवी मंदिर परिसर में जिगजैग रेलिंग, पहुंच मार्ग का निर्माण, प्रकाश व्यवस्था और साइनेज लगाए जाएंगे। इसके अलावा हाईमास्क लाइटें, तालाब का निर्माण, जलनिकासी की व्यवस्था की जाएगी। बेंच, बच्चों का पार्क भी बनेगा और गोमती नदी पर घाट का विकास कराया जाएगा। कूड़ा निस्तारण की व्यवस्था समेत अन्य कार्य कराए जाएंगे। दूसरी योजना के तहत मां चंद्रिका देवी मंदिर 16 नंबर ट्यूबवेल से माँ चंद्रिका देवी मंदिर खंड तीन तक स्ट्रीट लाइटें लगाई जाएंगी।

कमता व चिनहट ओवरब्रिज पर अब दोनों तरफ से आ-जा सकेंगे वाहन

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ से बाराबंकी-अयोध्या जाने वाले वाहन अब कमता ओवरब्रिज व चिनहट ओवरब्रिज से भी जा सकेंगे।अभी तक इन दोनों ओवरब्रिज पर एकल मार्ग व्यवस्था थी और बाराबंकी-अयोध्या से आने वाले वाहन ही इससे होकर गुजर रहे थे।दोनों ओवरब्रिज पर दोनों तरफसे आवागमन शुरू करने को लेकर जेसीपी कानून व्यवस्था ने एनएचएआई को प्रस्ताव भेजा है। इस पर एनएचएआई ने भी अपनी सहमति दे दी है।ट्रायल के बाद तीन-चार दिन में व्यवस्था शुरू कर दी जाएगी।सही रहा तो स्थायी कर दिया जाएगा।जेसीपी उपेन्द्र कुमार अग्रवाल ने एनएचएआई के प्रोजेक्ट डायरेक्टर सौरभ चौरसिया को प्रस्ताव भेजा था। इसमें लिखा था कि श्रीराम मंदिर निर्माण की वजह से अयोध्या जाने वाले यात्रियों की संख्या काफी बढ़ गई है। इस वजह से पालीटेक्निक चौराहा से कमता तिराहा से लेकर लखनऊ-बाराबंकी सीमा , इंदिरा नहर तक ट्रैफिक का दबाव लगातार बना रहता है।बाराबंकी-अयोध्या की ओर जाने वाले लोगों को चौराहे के पास बमुश्किल दो या तीन लेन ही मिल पाती है जबकि बाराबंकी-अयोध्या से लखनऊ आने वाले लोगों को समस्या नहीं होती है क्योंकि क्योंकि वापसी में सर्विस लेन के साथ चार-पांच लेन मिल जाती है।प्रस्ताव में है कि पालीटेक्निक चौराहे से इंदिरा नहर के बीच तीन ओवरब्रिज बने हैं। इसमें दो वन वे है।इन दोनों सिंगल ओवरब्रिज पर इस समय वाहनों का आवागमन सिर्फ अयोध्या से लखनऊ की सिंगल लेन में होता है। सड़क कम मिलने की वजह से लखनऊ से अयोध्या की ओर जाने पर वाहनों की संख्या सर्विस रोड तथा ओवरब्रिज के नीचे बांयी लेन पर बहुत ज्यादा होती है।वापसी के लिये वन-वे ब्रिज पर वाहनों की संख्या कम रहती है।ऐसे में दोनों सिंगल लेन ओवर ब्रिज को डबल लेन में चलाया जाने की जरूरत है। दोनों ओवरब्रिज पर दो लेन में यातायात जरूरी होने के पीछे तर्क दिये गए हैं। लखनऊ से बाराबंकी-अयोध्या जाने वाले वाहन ओवरब्रिज का इस्तेमाल नहीं कर पाते हैं. इस वजह से चौराहों पर ब्रिज के नीचे संकरे मार्ग से इन्हें निकलना पड़ता है। इससे जाम लगता रहता है। बाराबंकी जाने वाले वाहनों को कमता और चिनहट अंडर पास से गुजरना पड़ता है।यहां हमेशा जाम लगता है। लखनऊ से बाराबंकी जाने वाले वाहन सर्विस रोड और मुख्य मार्ग के बीच में बिजली के खम्भे लगे है इससे रास्ते की चौड़ाई का इस्तेमाल चालक नहीं कर पाते हैं।पॉलीटेक्निक से बाराबंकी जाने वाले वाहनों की एक लेन शहीद पथ की ओर मुड़ जाती है और बाराबंकी की ओर जाने के लिये सिर्फ दो लेन मिल पाती है। इस पर ऑटो का कब्जा रहता है।कमता चौराहे पर अवध बस स्टेशन होने से यात्रियों ऑटो,ई-रिक्शा काफी संख्या में चौराहे पर ही खड़े रहते है।इनके बीच से बाराबंकी-अयोध्या के वाहन जाते हैं। बाराबंकी से लखनऊ आने वाले वाहन ओवरब्रिज के साथ साथ नीचे सर्विस रोड से भी गुजरते है। ओवरब्रिज का अधिकतम उपयोग तक नहीं हो पाता है।वापसी के लिये चौराहों को भी पार नहीं करता होता है।जेसीपी उपेन्द्र कुमार ने बताया कि नौ नवम्बर को व्यस्त समय में शाम और रात को चिनहट ओवरब्रिज पर आधे हिस्से को बंद कर दिया गया।

रोड एक्सीडेंट में स्कूटी सवार मजदूर की मौत, उजड़ गया परिवार का सहारा

बस्ती। हाईवे पर कप्तानगंज थाना क्षेत्र के खजुहा गांव के पास एक लेन पार कर दूसरे लेन में जाते समय अज्ञात वाहन की चपेट में आने से स्कूटी सवार मजदूर की मृत्यु हो गई। जिसकी पहचान कप्तानगंज थानाक्षेत्र के रमवापुर गांव निवासी 45 वर्षीय राजेंद्र प्रसाद उर्फबीहड़ के रूप में हुई। राजेंद्र भवन निर्माण के दौरान पिलर व छत में सरिया बांधने का कार्य करते थे। राजेंद्र अपने काम पर जाने के लिए घर से स्कूटी लेकर निकले थे। अभी वह खजुहा क्रासिंग पार करके दूसरे लेन में जाने का प्रयास कर ही रहे थे कि तेज रफ्तार वाहन की चपेट में आ गए। दुर्घटना में उनकी घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई। मृतक अपने परिवार का सहारा था, जिसके उजड़ जाने से परिजनों का रो रो कर बुरा हाल था, मृतक की छह बेटियां और दो बेटों पिता की मृत्यु की होने पर बेसुध हो गए थे, पत्नी रानी देवी पति की मौत पर माथा पीट रही थीं, इस बीच वह कई बार बेहोश तक हो गई, गांव के लोगों के अलावा उनके शुभचिंतक व रिश्तेतदारों ने भी उनके घर पहुंचकर पीड़ित परिवार को ढांढस बंधाया। मृतक के घर ग्रामीणों की भीड़ जुटी हुई थी। हर कोई राजेंद्र की मौत पर आहत था।

तिहरे हत्याकांड के दोषी को उम्रकैद,अवैध सबंध के शक में की पहले पत्नी फिर दो बच्चियों की हत्या

गोण्डा। जिले में ऑपरेशन कनविक्शन के तहत खरगूपुर थाना अंतर्गत देवरिया कला गांव में बीते वर्ष 2021 में हुए तिहरे हत्याकांड के मामले में टॉप-10 आरोपी पति को 2 वर्ष में ही न्यायालय ने उम्रकैद की सजा सुनाई है। इसके साथ ही 1 लाख रुपए के अर्थदंड की सजा सुनाई गई है। न्यायालय में प्रभावी पैरवी करने वाले विवेचक और मॉनिटरिंग सेल को एसपी द्वारा सम्मानित भी किया जाएगा। दरअसल, बीते 30 सितंबर 2021 को देर रात में खरगूपुर थाना क्षेत्र का देवरिया कला गांव में पारिवारिक कलह और पत्नी से अनबन को लेकर के पति ओमप्रकाश तिवारी ने अपनी ही 26 वर्षीय पत्नी कौशल्या देवी 4 वर्षीय बेटी जाह्नवी और 1 वर्षीय बेटी ज्ञानवी की गला दबाकर हत्या कर दी थी।सुबह 1 अक्टूबर 2021 को सूचना मिलने पर पहुंची खरगूपुर पुलिस ने तीनों मृतकों के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम कराया गया था। उच्च अधिकारियों द्वारा घटनास्थल का निरीक्षण किया गया था और गोंडा पुलिस ने मात्र 3 घंटे के अंदर ही हत्याकांड का खुलासा करते हुए आरोपी पति ओमप्रकाश तिवारी को गिरफ्तार कर जेल भेजा था।जांच के दौरान निकलकर आया कि आरोपी ओम प्रकाश तिवारी को अपनी पत्नी पर शक था कि इसका दूसरे से अवैध संबंध है और यह हमसे ज्यादा पढ़ी-लिखी थी, जिसके चलते आरोपी ओम प्रकाश तिवारी ने पहले अपने पत्नी की गला दबाकर हत्या कर चारपाई पर लिटाया दिया। उसके बाद दोनों बेटियों की भी गला दबाकर हत्या कर दी थी।इस पूरे मामले में लगातार प्रभारी गोंडा मॉनिटरिंग सेल राम सहाय यादव, शासकीय अधिवक्ता अभिनव चतुर्वेदी, कोर्ट मोहरिर्र महिला आरक्षी दीपांशी,राहुल यादव द्वारा न्यायालय में मुकदमे की पैरवी भी की जा रही थी। प्रभावी पैरवी के आधार पर न्यायालय अपरिमे सत्र न्यायाधीश कोर्ट द्वितीय द्वारा आरोपी ओमप्रकाश तिवारी को सश्रम आजीवन कारावास और 1 लाख रुपए के अर्थदंड की सजा सुनाई गई है। अपर पुलिस अधीक्षक शिवराज प्रजापति ने बताया कि खरगूपुर थाना क्षेत्र के देवरिया कला गांव में 30 सितंबर 2021 एक महिला और उसकी दो बेटियों तीनों की आरोपी द्वारा गला दबा करके हत्या कर दी गई थी। घटना की सूचना मिलते ही तत्काल मुकदमा पंजीकृत किया गया था। सभी उच्च अधिकारियों द्वारा घटनास्थल का निरीक्षण करते हुए 10-12 घंटे के अंदर ही घटना का खुलासा करते हुए आरोपी पति ओम प्रकाश तिवारी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था। तत्कालीन दो विवेचकों द्वारा इसकी विवेचना की गई थी और साक्ष्य संकलन कर और न्यायालय में आरोप पत्र प्रेषित किया गया था। न्यायालय द्वारा पूरे मामले पर विचार करते हुए सभी साक्ष्यों का परीक्षण किया गया। कल 30 नवंबर 2023 को पति ओमप्रकाश तिवारी को ताउम्र की सजा सुनाई गई है। न्यायालय में प्रभावी रूप से पैरवी करने वाले सभी पुलिसकर्मियों को एसपी गोंडा अंकित मित्तल द्वारा सम्मानित किया गया है। आरोपी ओमप्रकाश तिवारी के ऊपर न्यायालय ने एक लाख रुपए का अर्थ दंड भी लगाया गया है और ताउम्र की सजा सुनाई गई है। आरोपी जब तक जिंदा रहेगा जब तक जेल में ही रहेगा।

4 शिक्षक कंपनीबाग में गिरफ्तार,विधान सभा का घेराव करने जा रहे थे

प्रयाग दर्पण संवाददाता

बस्ती। बस्ती में पुरानी पेंशन बहाली सहित अन्य मांगों को लेकर विधान सभा का घेराव करने लखनऊ जा रहे चार शिक्षक नेताओं को कोतवाली पुलिस ने कंपनीबाग से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार चारों शिक्षक उत्तर प्रदेशीय माध्यमिक शिक्षक संघ के पदाधिकारी हैं। गिरफ्तार शिक्षकों में संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष मार्कंडेय सिंह ने कहा कि पांच सूत्रीय मांगों को लेकर संघ आंदोलन कर रहा है, जिसके तहत शुक्रवार को विधान सभा का घेराव करना था। बताया कि वे अपने तीन साथियों संघ के उपाध्यक्ष अनिरुद्ध त्रिपाठी, मंडलीय मंत्री रामपूजन सिंह जनपदीय अध्यक्ष अजय प्रताप सिंह के साथ लखनऊ जा रहे थे। कंपनीबाग से कोतवाली पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। मार्कंडेय सिंह ने कहा कि शिक्षकों की गिरफ्तारी सरकार की दमनकारी नीति का सूचक है। उन्होंने कहा कि संगठन का यह मंतव्य है कि जो भी सरकारें शिक्षकों के आंदोलन को कुचलने का प्रयास किया है वो इतिहास के कूड़ेदान में चली गई है। वर्तमान सरकार का भी यही हाल होगा। कहा कि एक तरफसरकार कहती है कि शिक्षा में आवश्यक सुधारा किया जाना चाहिए, दूसरी तरफ इस सरकार में शिक्षकों का उत्पीड़न बढ़ता चला जा रहा है। इसके साथ ही व्यापक भ्रष्टाचार भी बढ़ता चला जा रहा है। सरकार किसी भी दशा में हमारे आंदोलन को कुचल नहीं पाएगी।प्रदेश उपाध्यक्ष ने कहा कि आज पुरानी पेंशन बहाली को लेकर विधान सभा का घेराव होना था, अपनी मांगों को लेकर हम लोग लखनऊ जा रहे थे। कंपनीबाग चौराहे पर पुलिस ने हम लोगों को गिरफ्तार कर लिया। कहा कि हमारे सैकड़ों शिक्षक साथी लखनऊ पहुंचने में कामयाब हो गए हैं। कहते हैं कि हमारी मुख्य मांगें पुरानी पेंशन बहाली, चिकित्सकीय सुविधा, तदर्थ को नियमित किए जाने, एनपीएस घोटाले की एसआईओ से जांच, शिक्षकों की सेवा सुरक्षा चयन बोर्ड की धारा 21 को प्रतिस्थापित करने व सिटिजन चार्टर लागू किया जाना है।

घर में घुसकर महिला से दुष्कर्म का प्रयास

बांदा। न्यायालय के आदेश पर महिला के साथ दुष्कर्म व छेड़खानी करने की रिपोर्ट दर्ज की गई है। थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला ने न्यायलय में वाद प्रस्तुत कर बताया कि पहली अक्तूबर की रात वह अपने घर में सोई थी। तभी रात ढाई बजे करीब गांव का सुलखान सिंह उसके घर में घुसा और उसके साथ दुष्कर्म का प्रयास किया। परिवार वालों ने आरोपी को पकड़कर पुलिस के सुपुर्द कर दिया। लिया। पुलिस ने बिना रिपोर्ट लिखे आरोपी को थाने से छोड़ दिया। तब से वह पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी दे रहा है। थानाध्यक्ष कौशल सिंह ने बताया कि न्यायालय के आदेश पर आरोपी के खिलाफ छेड़छाड़ व धमकी देने की धारा में रिपोर्ट दर्ज की गई है। आरोपी को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

पुलिस ने रोककर जांच की तो एम्बुलेंस में ढोई जा रही मछलियां

उरई/जालौन। यूपी सरकार द्वारा जीवन दायिनी एंबुलेंस को इसलिए चलाया गया था ताकि गंभीर मरीजों को समय से अस्पताल पहुंचाकर उनका इलाज कराया जा सके। मगर जालौन में एंबुलेंस मछली तस्करी करने का जरिया बन गई है। ऐसा ही नजारा रामपुरा इलाके में देखने को मिला। जहां एंबुलेंस से मछलियों को ले जाया जा रहा है जिसका वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। इस मामले में पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए एंबुलेंस को मछलियों सहित जब्त कर थाने में खड़ा कर दिया। साथ ही इसकी जांच शुरू कर दी। पूरा मामला रामपुरा थाना कस्बे का है। यहां शुक्रवार सुबह के वक्त 102 एंबुलेंस सड़क से बार बार निकल रही थी और इससे मछलियों को गुपचुप तरीके से दूसरे स्थान पर भेजा जा रहा था। जैसे ही इसकी भनक सुबह के वक्त ड्यूटी कर रहे पुलिस कर्मियों को हुई, उन्होंने एंबुलेंस को रोककर जांच की। जांच के दौरान एंबुलेंस में पीछे मरीज की जगह मछलियों से भरे तीन बोरे दिखाई दिए, जिसे देखकर पुलिसकर्मियों ने जांच करते हुए तत्काल एंबुलेंस को जब्त कर लिया और थाने ले आई। साथ ही ड्राइवर को भी हिरासत में ले लिया। एंबुलेंस से मरीज की जगह मछलियों से भरे बोरे मिलने का वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। पुलिस ने इस मामले की जांच शुरू कर दी। इस मामले में माधौगढ़ सर्कल के क्षेत्राधिकारी शैलेंद्र बाजपेई का कहना है कि एंबुलेंस की पीछे वाली सीट पर तीन बोरे में मछलियां बरामद हुई हैं। इसकी जांच की जा रही है कि मछलियां कहीं से चोरी से तो नहीं लाई गई थीं। साथ ही ड्राइवर से भी पूछताछ की जा रही है। उन्होंने कहा कि एंबुलेंस से मछलियां ले जाने का अर्थ यही निकल रहा है कि यह चोरी की है।

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के दौरान दोनों समय फ्री भोजन, 15 जनवरी से 15 फरवरी तक रहेगा

प्रयाग दर्पण संवाददाता

अयोध्या। निखिल भारतीय तीर्थ विकास समिति के सचिव किशोर कुणाल ने अमावा मंदिर में चल रहे राम रसोई के चार वर्ष पूरे होने पर संस्था की उपलब्धियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में आने वाले राम भक्तों को अब राम रसोई में आगामी 15 जनवरी से 15 फरवरी 24 तक दोनों पहर विशेष भोजन प्रसाद निशुल्क मिलेगा। राम भक्तों की भीड़ को देखते हुए भोजन पैकेट भी सुबह 9 बजे से उपलब्ध रहेगा। यह व्यवस्था ऑनलाइन भी रहेगी। इसके लिए केवल राम भक्त को अपना आधार कार्ड दिखाकर भोजन कूपन प्राप्त करना हैं। बाकी भोजन व्यवस्था पहले की तरह यथावत सुबह 11 से 3 दोपहर तज उपलब्ध रहेगी। निखिल भारतीय तीर्थ विकास समिति के सचिव किशोर कुणाल ने कहा कि 2019 में 9 नवम्बर, को राममंदिर पर सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक निर्णय आने के बाद राम- जानकी विवाह-पंचमी के पावन अवसर पर दिनांक 01 दिसंबर 2019 से राम रसोई प्रारम्भ हुआ। हमें ऐसा लग रहा था कि राम लला जी की विजय अवश्य होगी। अतः पहले से सारा प्रबन्ध किया हुआ था। सामूहिक भोजन करने के लिए विशाल श्हालश् बनाया गया और सुन्दर, स्वच्छ रसोई की भी स्थापना की गयी थी। अतः फैसले के तुरन्त बाद शुभ मुहूर्त पर राम-रसोई का श्री गणेश हो गया था। चार साल की अवधि में करीब पचीस लाख भक्तों ने राम-रसोई में प्रसाद ग्रहण किया है। भोजन में चावल, दाल, ड़ी, आलू दम, कोफ्ता, तिलौरी, चटनी, पापड़ और घी-दस व्यंजन प्रेम से परोसे जाते हैं, और भक्तों की सेवा आग्रह पूर्वक की जाती है। उन्होने बताया कि पहले भक्तों की संख्या कम थी किन्तु धीरे-धीरे यह संख्या बढ़ती गयी और मार्च, 2023 से हर महीने में यह संख्या 11 लाख के बीच प्रायः रही है। अब तक इस पर करीब साढ़े सात करोड़ रु0 खर्च हुए हैं।अभी राम-रसोई एक एक लाख रुपये प्रतिदिन व्यय होता है। और 15 जनवरी, 2024 से दोनों समय भोजन उपलब्ध कराने पर व्यय अधिक बढ़ जायेगा। पहले राम मंदिर शाम होते ही बन्द हो जाता था और इस अति-सुरक्षित क्षेत्र में भक्तों का आवागमन नगण्य था। समय दिन में 11:00 बजे से 03: 00 बजे तक राम-रसोई की व्यवस्था की जाती थी। किन्तु अब रात्रि में भी बहल-पहल इस इलाके में रहती है, अतः यह निर्णय लिया गया है कि 15 जनवरी, 2024 से राम-रसोई की रात में भी शाम सात बजे से रात्रि नौ बजे तक होगी।

2 करोड़ की चरस के साथ 2 महिला तस्कर गिरफ्तार

बहराइच। जिले में नेपाल से चरस की खेप लेकर भारत आ रही दो महिलाओं को पुलिस और एसएसबी की संयुक्त टीम ने दबोचा है। दोनों के पास से भारी मात्रा में चरस बरामद हुआ है। दोनों नेपाल की रहने वाली हैं। महिला तस्करों के पास से बरामद चरस की कीमत 2 करोड़ रुपए बताई जा रही है। पुलिस अधीक्षक प्रशांत वर्मा के निर्देश पर रुपईडीहा थाने के प्रभारी निरीक्षक शमशेर बहादुर सिंह और सशस्त्र सीमा बल के जवान संयुक्त रूप से पेट्रोलिंग कर रहे थे। उप निरीक्षक रूदल बहादुर सिंह की अगुवाई में टीम नेपाल से भारत आने वाले लोगों की जांच कर रही थी। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि जांच के दौरान नेपाल से आने वाले महिला और पुरुष की तलाशी ली गई तो दोनों के पास 5 किलो 125 ग्राम चरस बरामद हुई। महिला पुलिस की मदद से दोनों को हिरासत में लेकर थाने लाया गया। पूछताछ के दौरान महिला ने अपना नाम चांदनी ओली पुत्री इन्द्र बहादुर ओली निवासी ग्राम पालिका परिवर्तन वार्ड न. 5 जिला रोलपा राष्ट्र नेपाल और दमसरी डांगी पत्नी नीम बहादुर डांगी निवासी ग्राम रागा कोट वार्ड न. 5 जिला रोलपा राष्ट्र नेपाल बताया।

जालौन में 2 बाइकों की टक्कर,एक युवक की मौत, 3 घायल

प्रयाग दर्पण संवाददाता

उरई/जालौन। जालौन में गुरुवार रात को दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। जहां दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर में एक बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई, जबकि 3 अन्य लोग घायल हो गए। मृतक युवक बहन की शादी होने के बाद बचे हुये सामान को दुकान पर वापस करने के बाद अपने घर वापस लौट रहा था। इस हादसे में बाद इलाके में हड़कंप मच गया। स्थानीय लोगों ने सभी को अस्पताल पहुंचाया, जहां घायलों की हालात देख चिकित्सकों ने 2 को हायर सेंटर रेफर कर दिया। वही सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना सिरसाकलार थाना क्षेत्र ग्राम जहटौली के पास बने जखा बंबे के पास की है। बताया गया कि सिरसा कलार इलाके के ग्राम जहटौली का रहने वाले सोनू (19) पुत्र राजाराम की बहन प्रिया की शादी थी। शादी होने के बाद जब उसकी विदा हुई तो शादी में बचे हुये सामान को वह सिरसाकलार कस्बे में बनी दुकान में वापिस करने गया था। रात के वक्त दुकान पर बचे हुए सामान को वापस करने के बाद जब वह बाइक से अपने ग्राम जहटौली जा रहा था और वह जखा बंबा के पास पहुंचा, तभी पाल सरेनी की ओर शनगढ त्रियोदशी में जा रहे बाईक सवार मनीष (20) पुत्र संजीव निवासी किरवाहा रामपुरा निगम (22) पुत्र प्रताप सिंह निवासी पाल सरेनी और एक अन्य युवक की सोनू की बाइक सेटक्कर हो गई। जिससे सोनू सहित सभी 4 लोग गंभीर रूप से घायल हो गये। इस घटना की बाद सभी लोग सड़क पर पड़े रहे। तभी जब शादी करने के बाद गांव से लौट रहे सोनू के रिश्तेदारों ने बंबा के पास बाइक को क्षतिग्रस्त देखा और वहां घायल पड़े सोनू और अन्य लोगों को देखा तत्काल पुलिस के साथ एंबुलेंस को सूचना दी। जानकारी मिलने पर एंबुलेंस के साथ सोनू के पिता राजाराम और रिश्तेदारों ने सभी को अस्पताल पहुंचाया, जहां सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जालौन में तैनात चिकित्सक उमेश सिंह ने सोनू का चेकप करने के बाद उसे डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। जबकि अन्य तीन की हालत देख प्रथम उपचार करते हुए मनीष और निगम के हालात नाजुक होने के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया। वाहेस सोनू के पिता राजाराम ने बताया कि सोनू दो भाई और एक बहन है और सोनू घर में सबसे छोटा था। इस हादसे के बाद सोनू की मां सुषमा का रो रो कर बुरा हाल है। वही सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

बीएचयू में दीक्षांत समारोह के नियम को लेकर विरोध, लहराए पोस्टर

प्रयाग दर्पण संवाददाता

वाराणसी। काशी हिंदू विश्वविद्यालय में आगामी दीक्षांत समारोह के एक आदेश पर छात्रों ने केंद्रीय कार्यालय पर जमकर विरोध प्रदर्शन किया। छात्रों का कहना है कि आगामी दीक्षांत समारोह में विश्वविद्यालय प्रशासन ने एक आदेश जारी करते हुए कहा है कि संबंधित महाविद्यालय में दीक्षांत समारोह को अलग से आयोजित किया जाएगा। छात्रों का कहना है कि पिछले 102 साल से संबंधित महाविद्यालय के छात्र भी विश्वविद्यालय में अपनी उपाधि लेते थे लेकिन इस बार विश्वविद्यालय भेदभाव कर रहा है। केंद्रीय कार्यालय पर दर्जनों की संख्या में छात्रों एवं छात्राओं ने जमकर नारेबाजी की छात्रों का कहना है कि पिछले 102 वर्षों से विश्वविद्यालय में कैंपस में सभी को दीक्षांत समारोह में उपाधि दी जाती थी। लेकिन इस बार नया नियम लागू किया गया है कि महाविद्यालय में अलग से दीक्षांत समारोह का आयोजन किया जाएगा यह हमारे साथ भेदभाव किया जा रहा है हमारा सपना रहता है कि हम विश्वविद्यालय में जाकर अपनी उपाधि ले। विरोध के दौरान छात्रों के केंद्रीय कार्यालय की मुख्य द्वार पर रोक दिया गया और उन्हें अंदर नहीं जाने दिया गया जिससे गेट पर प्रॉक्टोरियल बोर्ड एवं छात्रों के बीच में हल्की-फुल्की धक्का मुक्की भी हुई। विरोध दर्ज कर रहे छात्र विपुल ने कहा कि दीक्षांत समारोह को लेकर जारी एक आदेश के विरोध में हम लोग केंद्रीय कार्यालय के बाहर धरने पर बैठे हैं। विपुल ने कहा कि बीएचयू का दीक्षांत समारोह जो पिछले 102 साल से प्रतिवर्ष चली आ रही है कि बीएचयू के में मेन कैंपस और संबंधित महाविद्यालय का दीक्षांत समारोह एक साथ आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अचानक 103वें दीक्षांत समारोह में कुलपति द्वारा एक आदेश जारी किया जाता है। बीएचयू मेन कैंपस में संबंधित महाविद्यालय में पढ़ने वाले छात्रों एवं छात्राओं का दीक्षांत समारोह नहीं आयोजित किया जाएगा उनको समारोह उनके महाविद्यालय में ही होगा। छात्रों ने विश्वविद्यालय प्रशासन से मांग की है कि पूर्व की तरह ही बीएचयू के कैंपस में सभी संबद्ध महाविद्यालय के छात्र एवं छात्राओं को उपाधि दी जाए। जिसको लेकर छात्रों के समूह ने कुलपति के नाम एक पत्र भी दिया।

दबंगों ने युवक को मारी गोली,गंभीर हालत में ट्रामा सेंटर रेफर

अमेठी। जिले में देर रात अपनी चाची के साथ बाजार से घर जा रहे युवक को दबंगों ने गोली मार दी। घटना को अंजाम देने के बाद दोनों आरोपी मौके से फरार हो गए। गंभीर रूप से घायल युवक को परिजन मुंशीगंज अस्पताल लेकर पहुंचे जहां से उसे गंभीर ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया गया। जहां उसका इलाज चल रहा है। परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने गांव के ही दो युवकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। दरअसल ये पूरा मामला मुंशीगंज थाना क्षेत्र के हरिहरपुर गांव का है। जहां गांव का रहने वाला 35 वर्षीय मान सिंह अपनी चाची के साथ रात करीब 9 बजे पनियार बाजार से घर जा रहा था। जहां गांव में ही पहले से घात लगाए बैठे अंशु सिंह उर्फ विजेंदर सिंह और अभिषेक सिंह ने गोली मार दी। गोली मानसिंह के छाती पर लगी। गोली की आवाज सुनकर बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंचे।

गो तस्करों से पुलिस की मुठभेड़,पुलिस ने पैर में गोली मारकर पकड़ा, दूसरा साथी फरार

प्रयाग दर्पण संवाददाता

नोएडा। सेंट्रल नोएडा के बादलपुर थाना क्षेत्र में पुलिस और गौ तस्करों के बीच मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ के दौरान एक तस्कर पैर में गोली लगने से घायल हो गया तो वहीं दूसरा तस्कर अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गया। मुठभेड़ में घायल हुए तस्कर को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है। दरअसल शुक्रवार तड़के बादलपुर थाना पुलिस अंबुजा सीमेंट फैक्ट्री के पास में चेकिंग कर रही थी। इस दौरान मोटरसाइकिल पर सवार दो संदिग्ध पुलिस को आते हुए दिखाई दिए। जिन्हें पुलिस ने रोकने का इशारा किया लेकिन उन लोगों ने मोटरसाइकिल को रोकने की बजाय तेजी से दौड़ा दिया। जब पुलिस ने उन लोगों का पीछा करने की कोशिश की तो उन लोगों ने पुलिस पर फायरिंग करनी शुरू कर दी। इसके बाद पुलिस ने उनका पीछा करते हुए जवाबी फायरिंग करनी शुरू कर दी। इस जवाबी फायरिंग के दौरान वह मोटरसाइकिल छोड़कर जंगल की तरफ भागने लगे। इसी दौरान एक बदमाश के पैर में गोली लग गई। दूसरा बदमाश मौके से फरार हो गया। बदमाश को पुलिस ने घायल अवस्था में पकड़ लिया। मुठभेड़ में घायल हुए बदमाश की पहचान हापुड़ के जमील उर्फ जालिम के रूप में हुई है। घायल बदमाश को आनन फानन में उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल भेज दिया गया। इस बदमाश के कब्जे से तमंचा कारतूस और एक मोटरसाइकिल बरामद हुई है। यह एक बड़े ही शातिर किस्म का गौ तस्कर है। इसके फरार साथी की पुलिस तलाश कर रही है। सेंट्रल नोएडा के एडिशनल डीसीपी हिरदेश कुमार ने बताया कि तड़के बादलपुर पुलिस और गौ तस्करों के बीच मुठभेड़ हुई है। इस मुठभेड़ में एक बदमाश घायल हो गया है जबकि एक फरार हो गया है। फरार बदमाश के लिए पुलिस की टीम लगी हुई है। उसे तलाश किया जा रहा है। घायल बदमाश को उपचार के लिए अस्पताल भेज दिया है। इन बदमाशों के आपराधिक इतिहास की जानकारी जुटाई जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

रेस्टोरेंट की आड़ में चल रहे हुक्का बार, पुलिस पहुंची तो धुंआ ही धुंआ दिखा, तीन गिरफ्तार

प्रयागराज।बुधवार रात पुलिस को सूचना मिली कि सिविल लाइंस में पत्रिका चौराहे के पास साहब फ्लैमी रेस्टोरेंट में हुक्का बार चल रहा है। पुलिस पहुंची तो पूरा रेस्टोरेंट धुएं से भरा था। पुलिस को देखकर हुक्का पीने वाले भागने लगे।सिविल लाइंस में पत्रिका चौराहे के पास स्थित रेस्टोरेंट में बुधवार की रात पुलिस ने छापा मारा तो वहां हुक्का बार चलता मिला। पुलिस ने मौके से दो कर्मचारियों को गिरफ्तार कर लिया। वहीं, रेस्टोरेंट मालिक को भी गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों के खिलाफ सिगरेट तथा अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम की धाराओं में कार्रवाई की गई है।बुधवार रात पुलिस को सूचना मिली कि सिविल लाइंस में पत्रिका चौराहे के पास साहब फ्लैमी रेस्टोरेंट में हुक्का बार चल रहा है। पुलिस पहुंची तो पूरा रेस्टोरेंट धुएं से भरा था। पुलिस को देखकर हुक्का पीने वाले भागने लगे। मौके से दो कर्मचारी आदित्य सरोज उर्फ भैरव लाल और अवनीश कुमार पाल उर्फ छोटू पाल को पुलिस ने पकड़ लिया।आदित्य और अवनीश ने बताया कि यह हुक्का बार चकिया के रहने वाले अमन का है। पुलिस ने मौके से आठ हुक्का सेट, पाइप, चार फ्लेवर के खुले डिब्बे, 24 पैकेट तंबाकू, चार पैकेट फिल्टर पाइप, 11 हुक्का पाइप और चारकोल समेत अन्य वस्तुएं बरामद कीं। इसके साथ ही रेस्टोरेंट के मालिक अमन को भी गिरफ्तार कर लिया गया। छापा मारने वाली टीम में दरोगा जय अंबिका पासवान और सुमन यादव के साथ ही पूजा देवी, रिंकू कुमार और अश्विनी यादव शामिल रहे।

झूठी शादी कर अधेड़ ने हड़पी महिला की जमीन,मारपीट कर घर से बाहर निकाला

अमेठी। जिले में एक व्यक्ति ने जमीन और पैसे की लालच में एक महिला से दिखावे की शादी की और बाद में उस महिला को मारपीट कर घर से निकाल दिया।आरोपी ने महिला की जमीन को भी अपने नाम करवा लिया और उसके रुपए जेवर भी छीन लिए।फिलहाल न्याय के लिए अधिकारियों के चक्कर लगा रही है लेकिन उसकी कही कोई सुनवाई नहीं हो रही है। दरअसल ये पूरा मामला संग्रामपुर थाना क्षेत्र के अम्बरपुर गांव की रहने वाली पूजा की शादी कई साल पहले इसी थाना क्षेत्र के कसारा गांव में हुई थी।कुछ साल बाद दोनों अलग अलग हो गए।इसी बीच पूजा की पहचान पिंडारा ठाकुर गांव के रहने वाले राजकुमार से हुई।राजकुमार ने उसे शादी की झांसा दिया और गांव ले जाकर झूठी शादी की।शादी के बाद राजकुमार ने पूजा के नाम दो बीघा जमीन अपने नाम करवा लिया और जेवर पैसे भी छीन लिये।डेढ़ महीने पहले राजकुमार ने पूजा को मारपीट कर घर से बाहर निकाल दिया।अब पूजा न्याय के लिए अधिकारियों के चक्कर लगा रही है। पीड़ित महिला पूजा का आरोप है कि उसके नाम दो बीघा जमीन थी और कुछ जेवर पैसे भी थे। राजकुमार ने उसके साथ झूठी शादी की और जमीन को अपने नाम करवा लिया।डेढ़ महीने पहले मारपीट कर घर से बाहर निकाल दिया।अब जब वो शिकायत लेकर थाने पहुँची उसे इस थाने उस थाने जाने का हवाला दिया जा रहा है।

तालाबों को स्वच्छ बनाने की पहल,पानी के खराब बैक्टीरिया को खत्म कर ऑक्सीजन बढ़ाने की कोशिश

नोएडा। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अंतर्गत आने वाले तालाबों के जीर्णोद्धार का कार्य तेजी से चल रहा है। अब प्राधिकरण तकनीकों का इस्तेमाल कर इन तालाबों के पानी को स्वच्छ बनाने की कोशिश में जुट गया है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार ने पायलट प्रोजेक्ट के रूप में पांच तालाबों को चिहिंत कर काम शुरू करने के निर्देश दिए हैं। इसी कड़ी में प्राधिकरण के एसीईओ आशुतोष द्विवेदी ने बृहस्पतिवार को लड़पुरा स्थित दो तालाबों का निरीक्षण किया। इन तालाबों से ही इस मुहिम की शुरुआत की जाएगी। एसीईओ आशुतोष द्विवेदी ने बताया कि ग्रेटर नोएडा के सभी तालाबों की सफाई और सौंदर्यीकरण का कार्य चल रहा है। एक तरफ तालाबों में गंदगी को साफ किया जा रहा है तो दूसरी तरफ गंदगी को तालाबों में जाने से रोकने पर भी काम चल रहा है। इसके साथ ही अब इन तालाबों के पानी को स्वच्छ बनाने के लिए भी प्लान तैयार किया जा रहा है। इन सीटू वेटलैंड, ओजोमाइजेशन, फ्लोटिन आइलैंड व एरिएशन तकनीकों का इस्तेमाल कर तालाबों के पानी को स्वच्छ बनाने की कोशिश की जाएगी। इन तकनीकों के इस्तेमाल से पानी के खराब बैक्टीरिया को खत्म किया जाएगा। ऑक्सीजन लेवल को बढ़ाया जाएगा। तालाबों के चारों ओर पौधा रोपण भी किया जाएगा। इस काम में ग्रेटर नोएडा के पर्यावरणविद् की भी मदद ली जाएगी। एसीईओ ने बताया कि इसी सिलसिले में वरिष्ठ प्रबंधक राजेश कुमार और प्रभारी वरिष्ठ प्रबंधक मनोज सचान के साथ तालाबों का निरीक्षण किया गया है।

महिला इंजीनियर को डिजिटली बंधक बनाकर ठगी,मनी लांड्रिग का आरोप लगाकर 8 घंटे में 11 लाख ऐंठे

प्रयाग दर्पण संवाददाता

नोएडा। सेक्टर-34 निवासी एक महिला इंजीनियर को साइबर अपराधियों ने करीब 8 घंटे तक डिजिटल बंधक बनाकर 11 लाख रुपए ठग लिए। पीड़िता ने साइबर क्राइम थाने में मामला दर्ज करवाया है। जिसके बाद पुलिस ने खुलासा करते हुए बताया कि यह मामला डिजिटल अरेस्टिंग का है। दरअसल, सेक्टर-34 स्थित धवलगिरी सोसाइटी निवासी सीजा टीए के पास बीती 13 नवंबर को एक फोन आया। फोन करने वाले ने खुद को टेलीफोन रेगुलेटरी ऑफ इंडिया का अधिकारी बताते हुए कहा कि उनके आधार कार्ड का इस्तेमाल करके सिम कार्ड खरीदा गया है और इसका इस्तेमाल मनी लॉड्रिंग में करके 2 करोड़ रुपये निकाले गए हैं। जांच का हवाला देकर आगे कॉल ट्रांसफर कर दी गई। इसके बाद स्काइप कॉल करके एक तरफ मुंबई पुलिस दूसरी तरफ क्राइम ब्रांच और कस्टम के अधिकारी बनकर युवती को डराया धमकाया गया और करीब 8 घंटे तक स्काइप कॉल से युवती की निगरानी करके उसे बंधक बनाकर रखा गया। इसके बाद महिला से कई सवाल पूछे गए और किसी से भी बात करने की अनुमति नहीं दी गई। अंत में इन जालसाजों ने महिला से 11 लाख 11 हजार रुपए ट्रांसफर करा लिए। इस दौरान बताया गया कि वे सभी लोग जहां से 2 करोड़ रुपये बरामद हुए थे। वहां से 20 लाख रुपए आपको कमीशन दिया गया है। इस दौरान महिला ने इस तरह के किसी भी बात को मना कर दिया। महिला ने बताया कि इस दौरान जो लोग पूछताछ कर रहे थे। उनके आसपास पूरा पुलिस का माहौल था पीछे पुलिस के झंडे लगे हुए थे वॉकी-टॉकी था और वे लोग वर्दी में थे। इस दौरान उन लोगों ने 20 लाख रुपए वापस करने का दबाव बनाया। इसके बाद महिला ने 11 लाख रुपए उनके खाते में ट्रांसफर कर दिए। साइबर थाना प्रभारी रीता यादव ने बताया, डिजिटली अरेस्ट में किसी व्यक्ति को उनके मोबाइल फोन पर डाउनलोड ऐप से लगातार जुड़े रहने को मजबूर किया जाता है। ऐप पर लगातार चौटिंग, ऑडियो-वीडियो कॉल कर उसे ऐप से लॉग आउट नहीं होने दिया जाता है। डरा धमकाकर रुपये भी ऐंठे जाते हैं। एक महिला इंजीनियर के साथ इसी तरह का मामला सामने आया है। जानकारी मिलने के बाद मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और साइबर एक्सपर्ट की मदद से जांच की जा रही है।

मौलाना ने निकाह पढ़ने से किया इनकार डीजे बजा तो दिखाई नाराजगी

प्रयाग दर्पण संवाददाता

अमेठी। जिले में एक अनोखी शादी चर्चा का विषय बन गई है। यहां ड्रम बजने से नाराज मौलाना ने निकाह पढ़ने से इनकार कर दिया। इसके बाद शादी समारोह में हड़कंप मच गया। दुल्हन और दूल्हा दोनों निकाह के लिए लंबा इंतजार करते रहे। अंत में बिना निकाह पढ़े ही दोनों ने विदाई ले ली। पूरा मामला जगदीशपुर कोतवाली क्षेत्र के हारीमऊ गांव का है, जहां पर एक दिन पहले इसी गांव के रहने वाले मोॉ. शरीफ की पुत्री शबाना का निकाह था। शबाना की शादी इसी थाना क्षेत्र के सिन्दूरवा गांव के रहने वाले शरीफ से तय हुई थी। तय समय बाराती पूरे धूमधाम से डीजे और गाजे, बाजे के साथ बारात लेकर पहुंचे। इसके बाद वहां पर मौजूद मौलवी ने निकाह पढ़ाने से इनकार कर दिया।घंटों बाद भी जब मौलाना द्वारा निकाह नहीं पढ़ाया गया तो लड़की बिना निकाह के ही अपने ससुराल पहुंच गई। इससे पहले दोनों परिवारों ने कई घंटों तक साथ बैठकर बात की। वहीं, मौलाना को मनाया गया, लेकिन वह नहीं माने। वहीं पूरे मामले पर लड़की के पिता मोहम्मद शरीफ का कहना था कि बारात वाले डीजे और बाजे के साथ आए थे। इसके बाद जब हम मौलवी के पास गए तो उन्होंने निकाह पढ़ने से इनकार कर दिया। हमने उनसे जब बार-बार कहा तो उन्होंने कहा कि अगर डीजे रहेगा तो हम निकाह नहीं पढ़ाएंगे। फिर बाद में हमने दूसरे मौलवी को बुलाकर निकाह संपन्न कराया। पिता ने आरोप लगाया कि मौलाना ने दोनों परिवारों से 11-11 हजार देने की शर्त पर ही निकाह पढ़ाने की बात कही। पिता ने कहा कि क्या इस्लामी कानून यही बताता है कि पैसा लेकर निकाह कराया जाए। हमारी जो बदनामी हुई है उसका जिम्मेदार कौन होगा। हमारे जो बाराती आए थे वह बिना खाना खाये ही चले गए। हमारा खाना बर्बाद हुआ और हमारी सारी व्यवस्थाएं चौपट हो गई आखिर इसका जिम्मेदार कौन होगा। गांव के इमाम मोहम्मद हफीज अब्दुल बासिद ने कहा कि हमारे गांव में बारात आई थी। मैं इस गांव का इमाम हूं। पहले ही जब इसके लिए आदेश जारी हो गया था की शादी विवाह में डीजे बैंड बाजे पूरी तरीके से प्रतिबंध रहेंगे उसके बाद भी लड़की पक्ष और लड़का पक्ष के लोगों ने इस नियम का उल्लंघन किया। इसके बाद हमने निकाह नहीं पढ़ाया। यह कानून सबके लिए जारी किया गया है और सभी को इसका पालन करना होगा।कुछ दिन पहले तिलोई विधानसभा के बारकोट गांव हुई मौलानाओं की बैठक में शादी-ब्याह में पूरी तरह से प्रतिबंध लगाने का फरमान सुनाया था। मीटिंग में कहा गया था कि अगर किसी भी शादी में डीजे या बैंड बाजा बजेंगे तो वहां निकाह नही पढ़ाया जाएगा। मौलानाओं की इस फरमान का वीडियो और पत्र भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ थावहीं, जानकारी मुताबिक शबाना के परिजनों और ससुराल वालों ने सिन्दूरवा गांव में दूसरे मौलाना को बुलाकर निकाह किया है। फिलहाल, इस शादी की चर्चा चारों ओर है।

तीन परीक्षा केंद्र बदलने के बाद भी भटके परीक्षार्थी दोनों पालियों का समय बीता, नहीं हुई परीक्षा

प्रयाग दर्पण संवाददाता

आगरा। शहर सुबह से (आईसीएमआर) इंडियन कार्उसिल आफ मेडिकल रिसर्च के तहत तीन पालियों में कई परीक्षा केंद्रों पर परीक्षाएं संचालित होनी थी। लेकिन परीक्षार्थियों का आरोप है कि सुबह से उन्हें कई परीक्षा केंद्रों पर घुमाया जा रहा है। जिस परीक्षा केंद्र पर उनकी परीक्षा थी, उसको रद्द कर दूसरा केंद्र बनाया। इसके बाद अब तीसरे परीक्षा केंद्र पर उनको भेजा गया है। लेकिन 1 बजे से अधिक का समय हो चुका है अब तक पहले और दूसरी पाली दोनों की परीक्षा समाप्त हो जानी थी। परीक्षा का कोई भी अता-पता नहीं है। इसको लेकर परीक्षार्थी काफी परेशान हैं। आईसीएमआर को आगरा में कई परीक्षा केंद्रों पर सहायक तकनीकी व अन्य कई पदों पर परीक्षा शुरू करनी थी। यह परीक्षा आज शुक्रवार सुबह 8:30 बजे से शुरू होनी थी। ऐसे में आगरा के देवरी रोड पर स्थित पंडित मनीष शर्मा डिग्री कॉलेज पर परीक्षार्थी समय से पहले ही पहुंच गए। लेकिन उनका आरोप है कि परीक्षा केंद्र में प्रवेश के बावजूद उनकी परीक्षा नहीं शुरू हुई। काफी देर तक उन्होंने इंतजार किया फिर उनसे कहा कि आपकी परीक्षा अब कलाल खेरिया स्थित राधे जमुना देवी गर्ल्स डिग्री कॉलेज पर होगी। ऐसे में तमाम परीक्षार्थियों को देवरी रोड से 12 किलोमीटर दूर कलाल खेरिया जाना पड़ा। एक परीक्षार्थी ने जानकारी दी की कलाल खेरिया स्थित परीक्षा केंद्र पर पहुंचने के बाद करीब 2 घंटे तक उनकी परीक्षा शुरू नहीं हुई। कॉलेज प्रशासन से जब देरी का कारण पूछा गया तो कोई भी संतुष्ट जवाब नहीं मिला। काफी देर तक हंगामा होता रहा। इसके बाद दूसरी पाली के भी कॉलेज पर पहुंच गए। ऐसे में कॉलेज प्रशासन ने फिर से परीक्षा केंद्र बदल दिया और कहा कि आगरा फिरोजाबाद रोड पर स्थित वनस्थली परीक्षा केंद्र पर आपकी परीक्षा होगी। वहीं आपको बता दें कि वनस्थली परीक्षा केंद्र कलाल खेरिया से करीब 20 किलोमीटर की दूरी पर है। परीक्षा देने आए एक छात्र ने बताया कि काफी दूर-दूर से तमाम परीक्षार्थी परीक्षा देने के लिए आए हैं। लेकिन परीक्षा केंद्र संचालकों की लापरवाही के चलते उनका काफी समय बर्बाद हो रहा है। वहीं उन्हें अपने भविष्य की चिंता भी सता रही है। आगरा के एडीएम सिटी अनूप कुमार से जब इस बारे में बात की गई तो उनका कहना था कि आईसीएमआर की परीक्षा जिला प्रशासन द्वारा संचालित नहीं कराई जा रही है।

छात्र से ऑनलाइन ठगी,गेम का लिंक भेजकर खाते से उड़ाए 40 हजार रुपए

नोएडा। दनकौर कोतवाली क्षेत्र में स्थित एक यूनिवर्सिटी के छात्र को व्हाट्सएप पर गेम का लिंक भेजकर अज्ञात आरोपी ने उसके खाते से 40 हजार रुपये की रकम उड़ा दी। इस संबंध में पीड़ित ने शुक्रवार को कोतवाली पहुंचकर साइबर सेल में आरोपी के खिलाफ शिकायत की है। बिहार निवासी सत्यम क्षेत्र में स्थित एक यूनिवर्सिटी में एमबीए प्रथम वर्ष की पढ़ाई कर रहे हैं। पुलिस को दी शिकायत में पीड़ित ने कहा कि गुरुवार रात को उनके फोन पर एक अज्ञात आरोपी ने व्हाट्सएप पर गेम का लिंक भेज दिया। इसके बाद आरोपी ने उसको ओपन करने के लिए पीड़ित को कई तरीके बताएं। जिसके आधार पर पीड़ित ने ऐसे ही किया। कुछ देर बाद पीड़ित के बैंक खाते से 40 हजार रुपये कटने का मैसेज मिला। जिसके बाद पीड़ित ने आरोपी से संपर्क किया तो आरोपी ने अपना फोन ऑफ कर लिया। पीड़ित का कहना है कि लिंक के माध्यम से ही उसकी खाते से यह रकम निकाली गई है। जिसकी शिकायत उसने पुलिस से की है। पुलिस का कहना है कि किसी भी अज्ञात व्यक्ति का भेजा गया लिंक ओपन नहीं करना चाहिए।

साइबेरियन पक्षियों ने वाराणसी में डाला डेरा,घाटों की बढ़ी खूबसूरती

प्रयाग दर्पण संवाददाता

वाराणसी। धार्मिक नगरी काशी विदेशी परिंदों का सबसे पसंदीदा शहर बन गया ह। रूस से लगे महासागर के पूर्वी और पश्चिमी क्षेत्र से हजारों साइबेरियन पक्षी इस गुलाबी ठंड में हजारों किलोमीटर का सफर कर यहां पहुंचे हैं। हर साल इस पक्षियों के आने का सिलसिला नवंबर में शुरू हो जाता हैं और फरवरी के महीने तक ये विदेशी पक्षी यहां गंगा की लहरों में अठखेलियां करते हैं और गंगा की रेत पर अपने अंडे देते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि चार महीने यहां रहने के बाद जब ये विदेशी परिंदे वापस लौटते हैं तो अपने बच्चों को भी ये साथ ले जाते हैं। बीएचयू में पक्षियों पर रिसर्च करने वाली प्रोफेसर चांदना हलदार ने बताया कि पर्याप्त भोजन और रहने के लिए वातानुकूलित जगह की तलाश में ये विदेशी मेहमान यहां आते हैं। चार महीने तक रहते हैं। वाराणसी में चार से पांच महीनों तक रहने के दौरान मेहमान परिंदे गंगा की लहरों और घाटों पर पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र रहते हैं। गंगा में अठखेलियां करते इन खूबसूरत पक्षियों को पर्यटक दाना भी डालते हैं। साइबेरियन पक्षियों की सैकड़ों ऐसी प्रजातियां हैं जो हर साल अपना घर छोड़कर दुनियाभर में पनाह पाती है। भारत आने के लिए ये पक्षी 4000 किलोमीटर से भी ज्यादा लम्बा सफर उड़कर पूरा करते हैं। ये पक्षी ताजिकिस्तान, अफगानिस्तान और पाकिस्तान को पार करते हुए भारत आते हैं।

टीबी मुक्त पंचायत अभियान की अलख जगाएंगे एनएसएस के वालंटियर

वाराणसी। टीबी मुक्त पंचायत अभियान के प्रति समुदाय को जागरूक करने के लिए पीरमल फाउंडेशन और महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के राष्ट्रीय सेवा योजना के बीच एक समझौता ज्ञापन हुआ है। अभियान की अलख जगाने के लिए एनएसएस के वालंटियर जनपद के ग्रामीण व नगरीय क्षेत्र में भ्रमण कर लोगों को जागरूक करेंगे। इसी को लेकर महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के केन्द्रीय पुस्तकालय में संयुक्त बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता कर रहे एनएसएस के कार्यक्रम समन्वयक डॉ रविन्द्र कुमार गौतम ने सभी डिग्री कॉलेज में स्थित एनएसएस के कार्यक्रम अधिकारी से अभियान में पूर्ण रूप से सहयोग करने की अपील की। एनएसएस, स्वास्थ्य, शिक्षा, पोषण आदि क्षेत्र में लगातार प्रशासन का सहयोग कर रही है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2025 तक देश को टीबी मुक्त बनाने के लिए टीबी मुक्त पंचायत अभियान बेहद महत्वपूर्ण अभियान है। बैठक में पीरमल फाउंडेशन के अरविंद गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसी साल विश्व क्षय रोग दिवस (24 मार्च) पर टीबी मुक्त पंचायत अभियान की शुरुआत की थी। जिला प्रशासन, स्वास्थ्य व पंचायती राज विभाग के साथ मिलकर पीरामल फाउंडेशन ने वाराणसी के पायलट प्रोजेक्ट के रूप में चोलापुर ब्लॉक में टीबी मुक्त पंचायत अभियान की शुरुआत की थी, जिसमें ग्राम प्रधान, सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (सीएचओ),आशा कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित कर चोलापुर की सभी 89 ग्राम पंचायतों में अभियान को सक्रिय रूप से संचालित किया गया। मोबाइल वैन चलाकर समुदाय को जांच व उपचार के लिए जागरूक भी किया गया। इसी तरह कार्य अब एनएसएस के साथ मिलकर शुरू किया जा रहा है। इस दौरान उन्होंने एनएसएस के कार्यक्रम समन्वयक और समस्त डिग्री कॉलेज के समन्वयक से यही उम्मीद की है कि टीबी मुक्त पंचायत अभियान के प्रति जन जागरूकता को लेकर संयुक्त रूप से कार्य करने के लिए आगे आएं। अभियान की सफलता के लिए सभी आठ ब्लॉक से चयन किए गए 10-10 ग्राम पंचायतों के ग्राम प्रधानों की भूमिका अहम होगी जो एनएसएस के वालंटियर को सहयोग करेंगे।

कमिश्नर-डीएम ने किया इंडस्ट्रियल एरिया का निरीक्षण,जल निगम को कड़ी चेतावनी

प्रयाग दर्पण संवाददाता

आगरा। मंडलायुक्त रितु माहेश्वरी और जिलाधिकारी भानु चन्द्र गोस्वामी ने औद्योगिक क्षेत्र सिकंदरा एवं केंद्रीय पादुका प्रशिक्षण संस्थान (सीएफटीआई) का निरीक्षण किया। उन्होंने गंदगी और टूटी सड़कों को लेकर अधिकारियों से निर्माण के निर्देश दिए। सिकंदरा यूपीएसआईडीसी साइट सी में निरीक्षण के दौरान उद्यमियों ने मंडलायुक्त को बताया कि यहां पर टुकड़ों में सड़क बनाई गई हैं। कारण पूछने पर जलनिगम अभियंता द्वारा बताया गया कि सड़क बनाने के बाद सीवर लाइन के लिए सड़कों को खोदा गया, उसके बाद फिर सड़क बनाई गयी। मंडलायुक्त ने सड़क की गुणवत्ता जांच को लेकर नगरायुक्त को निर्देश दिए। जल निगम द्वारा सीवर की जो लाइन डाली गई उसमें कनेक्शन नहीं दिए गए हैं। निरीक्षण के दौरान ही वार्ड संख्या 42 के पार्षद रवि कुमार ने मंडलायुक्त को जलनिगम द्वारा डाली गई सीवर लाइन में घटिया सामग्री का प्रयोग करने एवं नालियों का कनेक्शन बंद करने की शिकायत की। बोदला क्षेत्र के कंचन विहार, दुबे विहार और दुर्गा विहार में सीवर लाइन डालने के लिए ज्ञापन भी दिया। सिकंदरा औद्योगिक क्षेत्र साइट ए में राष्ट्रीय राजमार्ग के सर्विस रोड से जुड़ने वाली (बीच वाली रोड) रोड़ किनारे नाला गंदगी और कूड़ा कचरे से भरा हुआ था, आगे निकासी की कोई व्यवस्था न होने के कारण पूरा नाल चौक था। व्यापारियों ने बताया कि नाला चौक होने के कारण अक्सर यहां पर जल भराव की समस्या हो जाती है। साइट ए क्षेत्र में ही कई जगह कच्ची रोड थी, तो अप्रोच रोड़ पर सीमेंट-बालू विक्रेताओं ने खुली सड़क पर ही माल डालकर कब्जा कर रखा था। मंडलायुक्त ने अवैध कब्जे को रोकने के लिए पार्क के चारों ओर फेंसिंग लगाने एवं सुदृढ़ीकरण करने के निर्देश दिए।सीएफटीआई में मंडलायुक्त ने वहां कुल प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे बच्चों के बारे में, उनकी प्लेसमेंट प्रोसेस, संस्थान में चलने वाले विभिन्न आउटरीच प्रोग्राम के बारे में जानकारी प्राप्त की। प्रशिक्षार्थी के सापेक्ष प्लेसमेंट की स्थिति में सुधार के निर्देश दिए। सीएफटीआइ के द्वारा अभिनव प्रयोग कर बनाए गए पादुका दस्तकार हेतु 1 लाख 35 हजार की लागत से बने ई- रिक्शा के प्रेजेंटेशन को देखा। सभागार में उद्यमियों के साथ बैठक की, बैठक में उद्यमियों ने सड़क मरम्मत,पाथ वे की समस्या को रखा, तथा औद्योगिक क्षेत्र में ड्रेनेज सिस्टम, जल भराव, नालों की सफाई, पार्कों के सौंदर्यीकरण, कूड़े हेतु डलावघर, तथा साइट ए तथा बी में विद्युत की सुचारू आपूर्ति हेतु सब स्टेशन की स्थापना, अतिक्रमण, स्ट्रीट लाइट आदि की समस्या को मंडलायुक्त तथा जिलाधिकारी के समक्ष रखा गया। मंडलायुक्त ने यूपीसीडा के अधिकारियों को तलब किया, उनके द्वारा बताया गया कि यूपीसीडा द्वारा प्रकाश व्यवस्था हेतु स्ट्रीट लाइट का कार्य साइट सी में पूर्ण तथा साइट ए. व बी. में कार्य प्रगति पर है । 15 दिसंबर तक कार्य पूर्ण करने तथा झुके व टूटे खंभों को भी बदलने के निर्देश दिए। उद्यमियों ने स्ट्रीट लाइट को संतुष्टिजनक बताया लेकिन पेड़ों की वजह से पर्याप्त प्रकाश न होने की शिकायत पर नगर निगम को पेड़ों की प्रूनिंग करने के निर्देश दिए, उद्यमियों ने बताया कि साइट ए व बी में विद्युत आपूर्ति की प्रमुख समस्या है एक विद्युत सब स्टेशन की स्थापना ही समस्या का हल है। मंडलायुक्त ने यूपीसीडा से सब स्टेशन हेतु भूमि चिह्नित करने को निर्देशित किया तथा डीवीवीएनएल को स्टेशन स्थापना के निर्देश दिए। बैठक में उद्यमियों द्वारा ड्रेनेज सिस्टम, नालों का ओवरफ्लो,जलभराव की प्रमुख समस्या को समस्या रखा, मंडलायुक्त महोदया द्वारा नगर निगम को ड्रेनेज हेतु अध्ययन कर प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए, बैठक में जल निगम द्वारा सीवर लाइन का कार्य पूर्ण करने, जहां खुदाई की है उसे रीस्टोर करने तथा आगे के कार्य हेतु नगरनिगम के समन्वय से कार्य के कड़े निर्देश दिए, मंडलायुक्त ने कड़ी चेतावनी दी कि कहीं भी सड़क खुदाई कर छोड़ देने की शिकायत पर कठोर कार्यवाही की जाएगी।

भाजपा नेता पर मारपीट का आरोप, दोनों पक्षों ने दर्ज कराई एफआईआर

आगरा। जिले में भाजपा नेता पर आफिस में घुसकर मारपीट का आरोप लगा है। वहीं, भाजपा नेता ने भी दूसरे पक्ष पर रुपए न देने और मारपीट का आरोप लगाया है। दोनों पक्षों की ओर से मुकदमा दर्ज किया गया है। भाजपा के पूर्व जिला महामंत्री सत्यदेव दुबे और उनके साथियों पर आरोप है कि राजपुर चुंगी स्थित हिमेश वित्थारिया के कार्यालय पर हमला बोला। हिमेश के साथ मारपीट की। मारपीट का एक वीडियो भी वायरल हो रहा है। वहीं, भाजपा नेता सत्यदेब दुबे का आरोप है कि हिमेश वित्थारिया ने उनसे रुपए ले रखे हैं। लंबे समय से वो रुपए वापस करने में आनाकानी कर रहा है। रुपए देने को लेकर पंचायत भी हो चुकी है। शुक्रवार को हिमेश ने रुपए वापस करने का वादा किया था। उसने रुपए देने के लिए अपने कार्यालय बुलाया था। उन्होंने अपने मिलने वालों को रुपए लेने भेजा था।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक, प्रकाशक स्वतंत्र कुमार शुक्ल (याग्यवल्क्य) द्वारा रमा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1-ए, बेली रोड, नया कटरा, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर, 1269/1073 मां श्री आश्रम, मालवीय नगर, बाबा जी का बाग, प्रयागराज से प्रकाशित। संस्थापक :-स्व0 श्रीकांत शुक्ल उर्फ स्वामी कांतेश्वरानंद भारती काली बाबा ।संपादकः-स्वतंत्र कुमार शुक्ल (याग्यवल्क्य)। मोबाइल नंबर 9450475366 Email :- prayagdarpan@gmail.com, R.N.I. NO.UPHIN/2014/59804 इस अंक में प्रकाशित समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदाई तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।